RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ...सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

अपने विश्वास को मजबूत करो और आपकी सारी शंकाएं दूर हो जाएगी।

गोपालदास गौर

वर्ष-06, अंक - 51 (साप्ताहिक) खवासा, गुरूवार 12 सितम्बर 2024 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

मोदी की गारंटी... तो मोदी की माफी क्यों...?

माही की गूंज। संजय भटेवरा

झाबुआ। हमारे देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी का वह बयान आज तक चर्चित है जिसमें उन्होंने खुद स्वीकार किया था कि, दिल्ली से भेजा गया एक रुपया गांव तक पहुंचने पर 15 पैसे ही रह जाता है। उनका आशय यह था कि, देश के विकास के लिए भेजा गया 85 प्रतिशत पैसा भ्रष्टाचारियों और बिचौलियों में बट जाता है और वास्तविक लाभ 15 प्रतिशत तक ही मिल पाता है। तब से ही भ्रष्टाचार एक व्यापक जन समस्या बन चुका है और हर चुनाव में भ्रष्टाचार मिटाने का वादा तो किया जाता है लेकिन वो वादा पूरा नहीं हो पता है। 2014 के चुनाव में देश ने मोदी पर भरोसा किया और तब से आज तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश का नेतृत्व कर रहे हैं। प्रधानमंत्री लगभग हर मंच से भ्रष्टाचार मिटाने का संकल्प दोहराते आए हैं लेकिन क्या भ्रष्टाचार खत्म या कम हुआ है...? इसका उत्तर निश्चित रूप से नकारात्मक ही है। प्रधानमंत्री ने बिचौलियों की भूमिका खत्म करने के लिए (डीबीटी) डायरेक्ट बेनिफिट योजना लागू की है, लेकिन उसके बाद भी भ्रष्टाचार तनिक भी कम नहीं हुआ है। इतना अवश्य है कि, भ्रष्टाचारियों ने अपने तरीके अवश्य बदल लिए हैं। सरकार भ्रष्टाचारियों पर नकेल करने के लाख दावे करें लेकिन भ्रष्टाचारी भी नित नए तरीके ईजाद कर बेखोफ़ होकर भ्रष्टाचार कर रहे हैं।

देश की संसद से अयोध्या तक भ्रष्टाचार

देश को सेंट्रल विस्टा के रूप में नया सुसज्जित तथा हाईटेक संसद भवन अवश्य मिला है जिसके निर्माण से लेकर शिलान्यास तक कई दावे-प्रतिदावे किए गए लेकिन पहली बारिश की टपकती छत ने सारे दावों की पोल खोल दी। जिस संसद भवन को रिकार्ड समय और रिकॉर्ड पैसा खर्च करके बनाया गया उसकी छत से टपकते पानी ने गांवो में स्कूलो की बिल्डिंग से टपकते पानी की याद दिला दी और यह साबित कर दिया कि, सभी सरकारी निर्माण एक जैसे ही होते हैं। चाहे वह देश की राजधानी दिल्ली में हो या फिर देश के किसी छोटे गांव में यानी भ्रष्टाचार का हिस्सा समान रहता है और भ्रष्टाचार होने पर उसकी गुणवत्ता कैसी रहती है यह हर भारतीय नागरिक जानता है।

राम मंदिर के निर्माण को लेकर पूरे देश में उत्साह था और राम मंदिर निर्माण के चलते उत्तर प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार ने अयोध्या के विकास के लिए करोड़ों रुपए खर्च किए और कई निर्माण कार्य करवाए। लेकिन पहली बारिश के बाद ही सड़कों पर बने बड़े-बड़े गड्ढो ने सारी पोल खोल दी।

आप सांसद संजय सिंह के लोकसभा में दिए गए बयान के अनुसार, अयोध्या में इंफ्रास्टेक्चर के डेवलपमेंट के लिए करोड़ों रुपए खर्च किए जिसमें एयरपोर्ट के 1450 करोड रुपए, रेलवे स्टेशन के लिये 724 करोड रुपए, अयोध्या रिंग रोड पर 4793 करोड रुपए, 14 कोसी परिक्रमा पर 1140 करोड रुपए, पंचकोसी परिक्रमा पर 776 करोड रुपए, रामपथ पर 787 करोड रुपए, टाउंन शिप पर 2180 करोड रुपए, पुराने मंदिर के जिर्णोद्धार पर 170 करोड रुपए, मेडिकल कॉलेज पर 245 करोड रुपए खर्च करना बताया गया।

उन्होंने सरकार से पूछा है कि, यह पैसा गया कहां...? पहली ही बरसात में अयोध्या की सड़के टूट चुकी है तथा मंदिर के गर्भग्रह में पानी गिरने लगा है और यह बात मंदिर के मुख्य पुजारी ने कही है।

बिहार के पुल और महाराष्ट्र में शिवाजी की मूर्ति..

हर विधानसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डबल इंजन वाली सरकार के लिए भाजपा को वोट देने की अपील की और कई प्रदेशों में डबल इंजन वाली सरकारे है। लेकिन इसके बावजूद क्या भ्रष्टाचार कम या खत्म हुआ है...? बिहार और महाराष्ट्र में भी भाजपा सरकार की हिस्सेदारी है यानी डबल इंजन की सरकार है लेकिन उसके बावजूद बिहार से कई पुल टूटने की खबरें आ चुकी है। मध्य प्रदेश की धर्मधानी उज्जैन के महाकाल लोक मूर्तियां पहली आंधी में धराशाई हो गई थी। यही नहीं महाराष्ट्र में शिवाजी की मूर्ति करोड़ों रुपए खर्च करके लगवाई गई थी वह भी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई। महाराष्ट्र में चुनाव सर पर है ऐसे में प्रदेश के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री के साथ ही देश के प्रधानमंत्री ने भी सार्वजनिक रूप से इसके लिए माफी मांगी है। तो देश की अन्य घटनाएं भी जिनमे भ्रष्टाचार साफ नजर आ रहा है के लिए भी क्या देश के प्रधानमंत्री माफ़ी मांगेंगे...?

चुनाव के पूर्व मोदी की गारंटी... चुनाव के बाद एनडीए की गारंटी... बन गई थी और अब यह मोदी की माफी बन चुकी है जिसको देखकर सोशल मीडिया पर मीम्स बन रहे हैं कि, क्या मोदी की माफी ही मोदी की गारंटी है...?

नया कश्मीर नाकाम, लड़ाई जारी रहेगी- इंजीनियर राशिद

नई दिल्ली, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के बारामूला से सांसद और अवामी इत्तेहाद पार्टी (एआईपी) के अध्यक्ष शेख अब्दुल राशिद, जिन्हें इंजीनियर राशिद के नाम से जाना जाता है, आतंकी फंडिंग मामले में अंतरिम जमानत पर जेल से बाहर आ गए हैं। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने उन्हें जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों के प्रचार के लिए अनुमति दी है। उनकी नियमित जमानत याचिका पर फैसला अभी लंबित है। जेल से बाहर आते ही राशिद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'नया कश्मीर' विचार की आलोचना की। उन्होंने कहा, ÷मैं अपने लोगों को निराश नहीं करूंगा। मैं शपथ लेता हूं कि, पीएम मोदी के नया कश्मीर नैरेटिव के खिलाफ लड़ूंगा, जो पूरी तरह नाकाम हो गया है। 5 अगस्त 2019 को जो कदम उठाया गया, उसे कश्मीर के लोगों ने ठुकरा दिया है।

राशिद ने संबोधित करते हुए कहा, ÷डरो मत और डराओ मत। हम डरने वाले नहीं हैं। मेरी लड़ाई कुर्सी के लिए नहीं, बल्कि कश्मीर के लोगों के हक के लिए है। सरकार नहीं, कश्मीर मुद्दा, मेरे लिए प्राथमिकता है। मैं बीजेपी की विचारधारा के खिलाफ अपनी आखिरी सांस तक लड़ूंगा।

मुफ्ती का हमला

पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने राशिद पर निशाना साधते हुए कहा, ÷एक तरफ गरीब जेल में बंद हैं और अपने परिजनों से मिलने तक की अनुमति नहीं मिल रही, जबकि दूसरी ओर कुछ लोग जेल से चुनाव लड़ रहे हैं और उन्हें सुरक्षा एवं सुविधाएं भी मिल रही हैं।÷

इंजीनियर राशिद की पार्टी एआईपी आगामी जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों में सक्रिय भूमिका निभाने की तैयारी में है। अंतरिम जमानत मिलने के बाद राशिद प्रचार में जुट गए हैं, जिससे राज्य की राजनीति में हलचल बढ़ गई है।

दुनिया की हर डिवाइस में 'मेड इन इंडिया' चिप होगी-पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर में सेमीकॉन एक्सपो 2024 का उद्घाटन किया। उन्होंने सेमीकंडक्टर उद्योग की अहमियत पर जोर देते हुए भारत को इस क्षेत्र में अग्रणी बनाने की प्रतिबद्धता जताई।

पीएम मोदी ने कहा, भारत दुनिया का आठवां देश है जो सेमीकंडक्टर पर इतना बड़ा आयोजन कर रहा है। उन्होंने बताया कि, सरकार 85 विशेषज्ञों की एक टीम तैयार कर रही है, जो सेमीकंडक्टर में माहिर होगी।

उन्होंने यूपीआई और डिजिलॉकर जैसी तकनीकों का जिक्र करते हुए कहा कि, यह सब चिप की देन है। सेमीकंडक्टर उद्योग में अब तक 1.5 ट्रिलियन डॉलर का निवेश हो चुका है, और मोदी ने कहा, दुनिया की हर डिवाइस में 'मेड इन इंडिया' चिप होगी।

आयोजन में दुनियाभर के 836 प्रदर्शक और 50 हजार से ज्यादा विजिटर शामिल हुंए।

टीएमसी नेता ने आंदोलनकारी डॉक्टरों को बताया देशद्रोही

कोलकाता, एजेंसीष्ट्र तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के एक वरिष्ठ नेता चंदन मुखोपाध्याय ने प्रदर्शन कर रहे डॉक्टरों पर तीखा हमला करते हुए उन्हें 'देशद्रोही' करार दिया। उन्होंने कहा कि, डॉक्टरों ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन नहीं किया है, जो एक गंभीर अपराध है। उन्होंने कहा, ÷सुप्रीम कोर्ट ने डॉक्टरों को निर्देश दिया था कि वे 10 सितंबर की शाम पांच बजे तक अपनी ड्यूटी पर लौट आएं, लेकिन वे अब भी हड़ताल पर हैं। वे अपनी ज़िम्मेदारियों को भूल गए हैं और आम जनता को इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। ऐसे डॉक्टरों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।÷ जूनियर डॉक्टर लगातार 33 दिनों से हड़ताल पर हैं।

वाणिज्यिक कर अधिकारी को रिश्वत लेते पकड़ा

उदयपुर, एजेंसी।

वाणिज्यिक कर विभाग के संयुक्त आयुक्त रवींद्र जैन को 8 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए राजस्थान भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने गिरफ्तार कर लिया। एसीबी के महानिदेशक रवि प्रकाश मेहरड़ा के अनुसार, शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि, जैन ने उसके रिसॉर्ट की जीएसटी सर्वेक्षण रिपोर्ट पर कार्रवाई न करने के बदले में रिश्वत की मांग की थी।

शिकायत की पुष्टि के बाद, एसीबी की टीम ने मंगलवार को उदयपुर में शिकायतकर्ता से रिश्वत लेते हुए जैन को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर आगे की जांच की जा रही है।

मामले में अन्य अधिकारियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव के निर्देशन में आरोपी से पूछताछ और कार्यवाही जारी है। एसीबी द्वारा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जाएगा। एसीबी जैन के बैंक खातों की जांच कर रही है।

अमित शाह की आलोचना: कांग्रेस पर देशविरोधी ताकतों के साथ खड़े होने का लगाया आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर कड़ी प्रतिक्रिया दी और कहा कि, देशविरोधी बातें करना और ऐसी ताकतों का समर्थन करना राहुल गांधी और कांग्रेस की आदत बन चुकी है। शाह ने आरक्षण पर राहुल गांधी के हालिया बयान पर भी पलटवार करते हुए कहा कि, जब तक भाजपा सत्ता में है, आरक्षण को कोई भी छू नहीं सकता।

शाह ने अपने बयान में कहा, राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी ने देशविरोधी एजेंडों को अपनाया है। चाहे जम्मू-कश्मीर में जेकेएनसी के देश विरोधी और आरक्षण विरोधी एजेंडे का समर्थन हो, या फिर विदेशी मंचों पर भारत विरोधी बातें करने की बात हो, राहुल गांधी ने देश की सुरक्षा और भावनाओं को बार-बार आहत किया है। उनकी भाषा और विचारधारा से स्पष्ट होता है कि वह विभाजनकारी सोच को बढ़ावा दे रहे हैं।

आरक्षण पर राहुल गांधी के बयान की आलोचना करते हुए शाह ने कहा, राहुल गांधी ने देश से आरक्षण समाप्त करने की बात कहकर कांग्रेस के आरक्षण विरोधी चेहरे को एक बार फिर उजागर किया है। मैं उन्हें स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि, भाजपा के रहते हुए आरक्षण को कोई भी छू नहीं सकता और देश की एकता को चुनौती नहीं दे सकता।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव दुष्यंत गौतम ने राहुल गांधी की अमेरिकी सांसद इल्हान उमर से मुलाकात पर तीखी प्रतिक्रिया दी। गौतम ने आरोप लगाया कि, राहुल गांधी राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में लिप्त हैं और भारत के खिलाफ अभियान चलाने वाली सांसदों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, राहुल गांधी भारत के खिलाफ एक विदेशी एजेंडे को बढ़ावा दे रहे हैं। उनकी मुलाकात अमेरिका में भारत विरोधी गतिविधियों में शामिल सांसदों से दुर्भाग्यपूर्ण है।

खड़गे का भाजपा पर हमला: मोदी को बताया झूठों का सरदार

अनंतनाग, एजेंसी ।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को अनंतनाग में एक रैली के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला किया। खड़गे ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी लगातार झूठ बोलते हैं और उन्हें झूठों का सरदार करार दिया। उन्होंने कहा, जम्मू-कश्मीर में हमले हो रहे हैं, लेकिन मोदी जी झूठ बोलने से नहीं शर्माते।

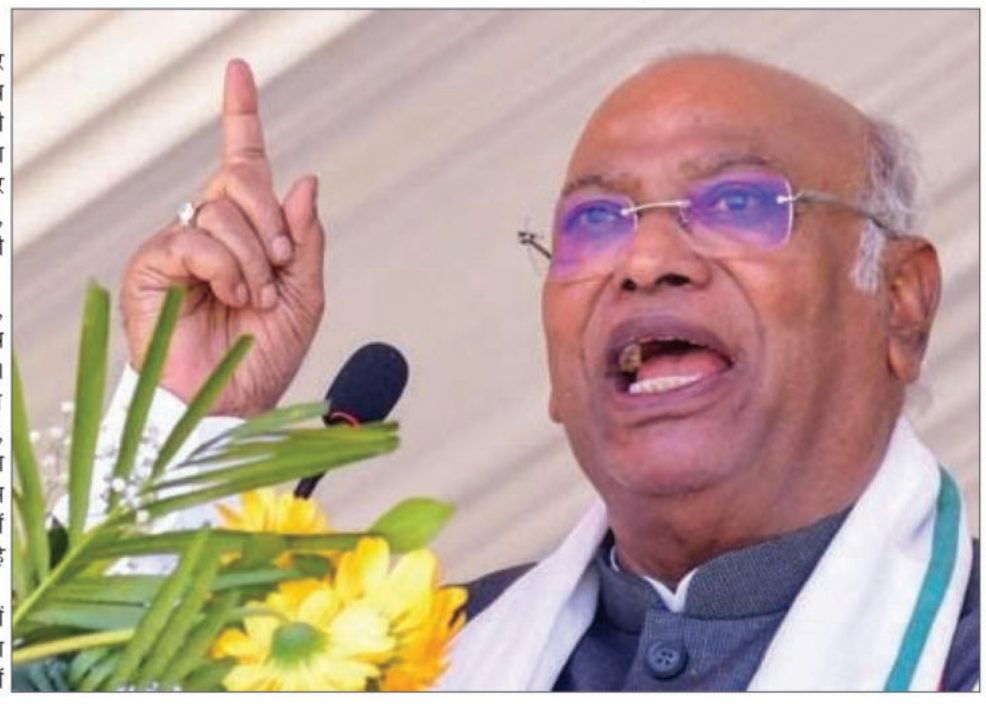

लोकसभा चुनावों के संदर्भ में खड़गे ने कहा, भाजपा के 400 सीटों के दावे कहां गए? अब उनकी संख्या 240 सीटों तक सीमित रह गई है। अगर हमें 20 और सीटें मिल जातीं, तो ये लोग जेल में होते। बीजेपी भाषण तो बहुत देती है, लेकिन उनके काम और कथनी में बड़ा अंतर होता है। भाजपा चाहे जितनी कोशिश कर ले, कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेंस का गठबंधन कमजोर नहीं होगा। हमने संसद में अपनी ताकत साबित की है और हम उसी ताकत के साथ आगे बढ़ेंगे।

खड़गे ने भाजपा पर जम्मू-कश्मीर के लोगों को धर्म के आधार पर बांटने की कोशिश का आरोप लगाया, लेकिन कहा कि वे सफल नहीं होंगे। उन्होंने अनंतनाग की ऐतिहासिक धार्मिक महत्वता का हवाला देते हुए कहा कि भाजपा यहां के माहौल को बिगाड़ने की कोशिश कर रही है। खड़गे ने राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि इस यात्रा ने विपक्षी गठबंधन इंडियाश् को मजबूती दी है और भाजपा पर इसका गहरा असर पड़ा है।

खड़गे ने पीएम मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उनकी सरकार ने लोगों से झूठे वादे किए हैं, जैसे हर खाते में 15 लाख रुपये और हर साल 2 करोड़ नौकरियां, लेकिन इनमें से कुछ भी पूरा नहीं हुआ है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल (एलजी) की सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए और कहा कि यहां की प्रशासनिक स्थिति बदहाल है और भ्रष्टाचार चरम पर है।

उन्होंने वादा किया कि कांग्रेस जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा दिलाएगी और एक लाख खाली पदों को भरेगी। इसके अलावा, बंद सरकारी स्कूलों को पुनः खोला जाएगा। फूड सिक्योरिटी बिल की तारीफ करते हुए खड़गे ने कहा कि कांग्रेस की सरकार ने इस बिल को लागू किया था, लेकिन वर्तमान भाजपा सरकार में गरीबों को पूरा राशन नहीं मिल पा रहा है।

चाइनीज लहसुन से किसानों को भारी नुकसान, नहीं बेच रहे अपनी फसल

माही की गूंज, शाजापुर।

कृषि उपज मंडी में किसान संगठन द्वारा किए गए विरोध के चलते मंगलवार को व्यापारियों ने लहसुन की खरीदी नहीं की। किसानों की इस दौरान नाराजगी भी देखी गई और वह लहसुन की उपज लेकर मंडी नहीं पहुंचे।हालांकि प्याज और अन्य उपज की नीलामी हुई।

दरअसल, केंद्र सरकार लहसुन की बढ़ती कीमतों को रोकने के लिए चीन से लहसुन मंगवा रही है जिसका किसान संगठन विरोध कर रहे हैं। इसी कारण विरोध जताते हुए राष्ट्रीय किसान मजदूर संघ ने 10 सितंबर को मंडी बंद का आह्वान करते हुए उपज न बेचने का निर्णय लिया था।

शाजापुर मंडी में बंद का असर

शाजापुर मंडी में इसका आंशिक असर देखा गया, वहीं शुजालपुर मंडी पूरी तरह से बंद रही। मंगलवार को पूरी कृषि उपज मंडी बंद रहेगी। इसको लेकर भी किसानों में असमंजस की स्थिति देखी गई। किसान प्याज और अन्य उपज लेकर पहुंच गए और नीलामी भी हुई। किसान चीन के लहसुन का विरोध कर रहे हैं और सरकार से इसकी खरीदी नहीं करने की मांग कर रहे हैं।

शाजापुर कृषि उपज मंडी के सहायक निरीक्षक किशनसिंह परमार ने बताया कि किसानों ने एक दिवसीय लहसुन मंडी बंद रखने का निर्णय लिया था। शाजापुर में कोई भी किसान लहसुन लेकर नहीं आया। बंद के चलते व्यापारियों ने भी खरीदी नहीं की।

चीनी लहसुन के आयात पर प्रतिबंध

भारत में चीनी लहसुन के आयात पर कई वर्षों से प्रतिबंध है, लेकिन चीनी लहसुन के बिकने से व्यापारी और किसान नाराज हैं। आशंका है कि लहसुन चीन से तस्करी कर कंटेनरों से लाने की संभावना है और सरकार इस मामले की जांच करे और आयात बंद करें।

यह भी सवाल उठाए गए हैं कि चीनी लहसुन कौन लाया है और अधिकारियों ने इसकी अनुमति क्यों दी। गोदाम में चाइनीज लहसुन पकड़े जाने की अफवाह उड़ी है। व्यापारियों को संदेह है कि भारत के प्रतिबंध की अनदेखी कर कई टन लहसुन चीन के रास्ते दूसरे देशों से भारत में डंप किया गया है।

प्रति क्विंटल 25 से 30 हजार चल रहे दाम

किसानों की मांग है कि अन्य किसी भी देश से लहसुन के आयात पर पूर्ण रूप से रोक लगाई जाए। किसानों ने कहा कि अगर चाइना व अन्य देश से लहसुन के आयात पर तुरंत रोक नहीं लगाई गई तो किसान को भारी नुकसान का सामना करना पड़ेगा। अगर किसान को आर्थिक नुकसान हुआ तो इसका खामियाजा सरकार को उठाना पड़ेगा।

वर्तमान में लहसुन की डिमांड के चलते भाव में तेजी देखी जा रही है। 25 से 30 हजार रुपए प्रति क्विंटल तक भाव पहुंच गए हैं। लहसुन के ऊपर सरकार की क्या नीति है स्पष्ट करें। किसान राधेश्याम गुर्जर, सुन्दरलाल वर्मा ने कहा कि सरकार किसानों के साथ न्याय नहीं कर रही है अन्य देशों से लहसुन आयात करना गलत है।

साल भर डिमांड, भंडारण में समस्या

लहसुन की डिमांड साल भर रहती है, लेकिन इसके मंडी में आने का समय सात से आठ महीने होता है। वर्तमान में डिमांड बनी हुई है, सप्लाई के मुताबिक मांग ज्यादा है। इसके अलावा हर महीने इसकी जरूरत रहती है।

किसानों का कहना है कि लहसुन की एक खासियत है कि यह मसाला तो है, लेकिन सब्जी की तरह है, इसे स्टोर करके नहीं रखा जा सकता है। कुछ दिन में यह खराब हो जाता है। इसका स्टाक तभी किया जा सकता है, जब डिहाइड्रेशन करके लहसुन से पानी को सोख लिया जाए। इस बार उत्पादन कम हुआ है।

मंडी सचिव शिव प्रसाद राजपूत का कहना है कि, किसान संगठन के विरोध के चलते लहसुन की खरीदी नहीं हुई, लेकिन प्याज सहित अन्य उपज की खरीदी व्यापारियों ने की।

बाइक सहित नदी में बहा था परिवार, बबलू का शव मिला

माही की गूंज, मंदसौर।

जिले में नाहरगढ़ थाना क्षेत्र के बिल्लौद के समीप शिवना नदी पर बनी पुलिया को पार करते समय सोमवार को दंपती के साथ चार महीने का बच्चा और एक 12 वर्षीय बालिका बाइक के साथ बह गए थे। उन्हें बचाने कूदा एक युवक भी बहाव में बह गया था। इनमें से बालिका यतिका को सकुशल निकाल लिया गया था। दोपहर तक गोताखोरों ने महिला और चार महीने के बच्चे के शव को खोज निकाला था। लेकिन डूंगर सिंह और बचाने के लिए कूदे बबलू मंसूरी का काफी प्रयास के बाद भी कोई पता नहीं चल पाया था। दोनों लापता लोगों में से बबलू मंसूरी के शव को एसडीईआरफ की टीम ने मंगलवार को शिवना नदी से बरामद कर लिया, लेकिन डूंगर सिंह का पता नहीं चल पाया है।

ऐसा है पूरा मामला

मंदसौर के नाहरगढ़ थाना क्षेत्र के बिल्लौद के समीप शिवना नदी पर बनी पुलिया को बहते पानी में पार करने के दौरान बाइक का संतुलन बिगड़ने से सोमवार सुबह करीब 11 बजे डूंगर सिंह, पत्नी संगीता व बेटी यतिका और एक चार माह का बच्चा बाइक सहित बह गया था। जिन्हें बचाने के लिए नाहरगढ़ निवासी बबलू मंसूरी ने भी नदी में छलांग लगा दी थी। स्थानीय लोगों ने 12 वर्षीय बालिका यतिका को सकुशल बाहर निकाल लिया था। बाद में गोताखोरों की मदद से महिला संगीता व चार माह के बच्चे के शव को भी निकाल लिया गया था। लेकिन डूंगर सिंह और बचाने के लिए कूदे बबलू का पता नहीं चल पाया था। मंगलवार सुबह एक बार फिर एसडीईआरएफ की टीम ने सर्चिंग अभियान शुरू किया, जिसके बाद दोपहर लगभग 12 बजे बबलू मंसूरी के शव को भी शिवना नदी से एसडीईआरएफ की टीम ने बरामद कर लिया। वहीं, मंगलवार शाम तक भी डूंगर सिंह की खोज जारी थी।

एसडीआरएफ टीम मृतक के शव को ढूंढने के लिए नदी में सघन सर्चिंग अभियान चलाएं- कलेक्टर

मंदसौर कलेक्टर अदिती गर्ग ने नाहरगढ़ बिल्लौद शिवना पुल पर नदी के बहाव के साथ बहने वाले लोगों की दुखद

घटना के संबंध निरीक्षण किया। इस दौरान एसडीआरएफ अधिकारियों को निर्देश दिए की नदी में बहने वाले मृतक को ढूंढने के लिए लगातार सर्चिंग अभियान चलाएं। पुलिस विभाग को निर्देश देते हुए कहा कि पुलिस जवानों की पुल पर लगातार ड्यूटी लगवाएं। सीईओ जनपद पुल के दोनों तरफ जाली लगवाएं, जिससे इस तरह की कोई घटना घटित न हो। इस दौरान कलेक्टर ने नदी में बहने वाले मृतक के परिजनों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि प्रशासन आपके साथ है। हर संभव सहायता की जाएगी। इसके बाद कलेक्टर नाहरगढ़ निवासी मृतक बबलू मंसूरी के घर पहुंची। कलेक्टर ने बबलू के परिजनों से संवाद किया तथा परिवारजनों को सांत्वना प्रदान की। कलेक्टर ने तहसीलदार को निर्देश देते हुए कहा कि तुरंत आरबीसी 6 (4) के तहत प्रकरण बनाकर मृतक के परिवार जनों को तुरंत राहत प्रदान करें।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मृतक के परिजनों से की चर्चा

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी आज मंदसौर प्रवास पर थे। जीतू पटवारी दोपहर को डूंगर सिंह के घर पहुंचे और परिजनों से चर्चा कर उन्हें सांत्वना दी। प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि भाजपा ने सिर्फ वोट पाने के लिए चुनाव के पहले ताबड़तोड़ भूमिपूजन किए, जिसमें बिल्लौद में शिवना नदी पर बनी छोटी पुलिया के स्थान पर बड़ी पुलिया के निर्माण का भी भूमिपूजन किया गया था। लेकिन आज तक निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पाया। सोमवार को जो हादसा हुआ है, वह हादसा नहीं हत्या है। मंगलवार दोपहर तक जब डूंगर सिंह का शव शिवना नदी से बरामद नहीं हुआ तो परिजनों ने आक्रोश व्यक्त किया। परिजनों का कहना था कि हम यहां धूप में भूखे प्यासे बैठे हैं और अधिकारी डूंगर सिंह को खोजने की दिशा में काम करने की बजाय एसी वाहनों में बैठे हैं।

तेजा दशमी पर शोभायात्रा हेतु तैयारियां जोरों पर

माही की गूंज , बरवेट

मुख्य मांग पर स्थित लोकदेवता सत्यवीर तेजाजी मंदिर पर हर वर्ष की तरह इस बार भी तेजा दशमी के मेले का आयोजन किया जाएगा। 13 सितंबर शुक्रवार को प्रातः 10 बजे ढोल-ढमाकों के साथ शोभायात्रा निकाली जाएगी।

वीर तेजाजी मंदिर के पुजारी सुखराम अमलियार ने बताया कि, वीर तेजाजी की दशमी का मेला शुक्रवार को लगेगा। जिसमे मन्दिर से प्रातः 10 बजे वीर तेजाजी महाराज की निशान शोभायात्रा गांव की विभिन्न गलियों से बड़े ही धूमधाम से निकाली जाएगी। शोभायात्रा पुनः वीर तेजाजी महाराज मंदिर पहुंचेगी। जहा समिति द्वारा आरती उतारी जाएगी। आरती के पश्चात् तेजा बावजी का दरबार लगेगा जिससे दिन दुखियों एवं पीड़ित रोगियों के रोग का समाधान किया जाएगा। वीर तेजाजी के चमत्कार की महिमा दूर-दूर तक फैली हुई है। जो भी दिन दुखी व्यक्ति मन में श्रद्धा लिए यहां पर मनोवांछित मुरादें मन में लिए आते हैं। उनकी मनोकामनाएं भी शीघ्र पूरी हो जाती है।

हो रही जागरण

सत्यवीर तेजाजी महाराज की दशमी के दो दिन पहले से मंदिरों पर जागरण, गायन कथा ओर खेल के आयोजन प्रराम्भ हो गए है। मंगलवार रात्रि को रतलाम जिले के दाँतोड़िया गाव के ग्रुप द्वारा गायन कथा प्रस्तुत की गई। गायन कथा का आयोजन रामचरण पटेल, गणपत लाल पाटीदार, अर्जुन पाटीदार, प्रेम सिंगाड आदि सदस्यों द्वारा किया गया।

होगा आरती का आयोजन

तेजा दशमी के अवस पर समीपस्थ बाबा राम देवजी महाराज के मंदिर पर भी आरती का आयोजन होगा। मंदिर पुजारी नवलसिंह निनामा ने बताया कि, बाबा रामदेवजी भी लोकदेवता के नाम से विख्यात है और अंचल में इनके भी अनंत भक्त है। जो कि दशमी के दिन यहा पहुचेंगे। दिन के12 बजे बाबा रामदेवजी की आरती उतारी जाएगी और प्रसादी वितरित की जाएगी। मंदिर समिति ने क्षेत्र के समस्त धर्म प्रेमियों से अनुरोध किया है कि, अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्म लाभ लेवे।

महाराजा होटल पर आबकारी की दबिश, शराब जप्त

बुधवार को दी दबिश खुलासा शनिवार को...?

माही की गूंज, थांदला। मुकेश भट्ट

पेटलावद मार्ग पर नगर की प्रतिष्ठित महाराजा होटल जो कि, जिले में प्योर वेज होटल के रूप में अब तक जानी जाती रही है। यहा तक कि, जिले का प्रत्येक बड़ा अधिकारी पार्टी एवं शुद्ध व सात्विक भोजन करने यहा आ चुके है। लेकिन अब यह महाराजा होटल अपनी सात्विकता की पहचान खो कर अब यहाँ शराब व मांस खुले में परोसा जा रहा है। जिसका खुलासा बुधवार 4 सितम्बर को दी गई आबकारी पुलिस की दबिश के साथ भी सामने आया है। बुधवार को आबकारी विभाग द्वारा दबिश देकर अवैद्य शराब विक्रय करने का प्रकरण दर्ज किया गया। आबकारी निरीक्षक विकास वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि, पेटलावद रोड स्थित महाराजा होटल मे अवैध रूप से बार की तर्ज पर शराब परोसी जा रही थी। मौके पर दबिश देने पर होटल से अवैध शराब के 22 क्वाटर ग्रीन पार्क कीमत करीब तीन हजार तीन सौ की जप्त की गई। तथा मौके पर उपस्थित होटल मेनेजर मुकेश पिता भारत झनिया निवासी नौगावा के विरूद्ध आबकारी एक्ट की धारा के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। आबकारी पुलिस को मेनेजर ने बताया कि, होटल किराये से लेकर राजु पिता नारायण निवासी पिटोल के द्वारा संचालित की जा रही है। उक्त कार्यवाही विभाग द्वारा मुखबिर की सूचना पर की गई।

नगर में चल रही सार्वजनिक चर्चा अनुसार बताया जा रहा है कि, होटल के मालिक धार्मिक प्रवृत्ति के है लेकिन महाराजा होटल पूरी तरह से फ्लाप होने के चलते यहा अब अवैध शराब विक्रय के साथ मांस परोसा जाता है। इसलिए अब यह होटल मांसाहारी होटल के रूप में क्षेत्र में अपनी पहचान बना चुकी है।

वही होटल मालिक ने अपनी व्यक्तिगत प्रतिष्ठा बचाने के लिए शराब का प्रकरण नही बने इसके लिए बहुत प्रयास किये। इसलिए आबकारी पुलिस ने बुधवार को दी गई दबिश के बाद शराब जप्ती की मात्रा व आरोपी का नाम उजागर नही किया था। जबकि शनिवार को आबकारी पुलिस ने प्रेस नोट जारी कर आरोपी का नाम व मात्रा 22 क्वाटर शराब जप्ती का खुलासा किया ।

अब नगर में यह भी चर्चा है कि, हो सकता है शराब अधिक मात्रा में ओर आबकारी विभाग ने कम मात्रा में केश बना दिया हो। पर धार्मिक प्रवृत्ति वाले होटल मालिक व जाने-माने व्यापारी पर उक्त प्रकरण के बाद दाग जरूर लगा है ओर अब तरह तरह की चर्चा स्थानीय स्तर पर चलने लगी है।

घुटती सांसों से कम होती औसत आयु की चिन्ता

वायु प्रदूषण का संकट भारत की राष्ट्रव्यापी समस्या है। यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो की हाल ही में जारी रिपोर्ट इस चिन्ता को बढ़ाती है जिसमें कहा गया कि वायु प्रदूषण के चलते भारत में जीवन प्रत्याशा में गिरावट आ रही है। जिसमें फेफड़ों को नुकसान पहुंचाने वाले पी.एम. 2.5 कण की बड़ी भूमिका है। रिपोर्ट बताती है कि वैश्विक मानकों से कहीं अधिक प्रदूषण भारत में लोगों की औसत आयु तीन से पांच वर्ष एवं दिल्ली में दस से बाहर वर्ष कम कर रहा है। बहरहाल प्रदूषण के खिलाफ योजनाबद्ध ढंग से मुहिम छेड़ने की जरूरत है। अध्ययन कहता है कि देश की एक अरब से अधिक आबादी ऐसी जगहों पर रहती है जहां प्रदूषण डब्ल्यूएचओ के मानकों से कहीं अधिक है। दरअसल, देश के बड़े शहर आबादी के बोझ से त्रस्त हैं। बढ़ती आबादी के लिये रोजगार बढ़ाने व अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए जो औद्योगिक इकाइयां लगायी गई, उनकी भी प्रदूषण बढ़ाने में भूमिका रही है। डीजल-पेट्रोल के निजी वाहनों को बढ़ता काफिला, निर्माण कार्यों में लापरवाही, कचरे का निस्तारण न होना और जीवाश्म ईंधन ने प्रदूषण बढ़ाया है। यह बढता वायु प्रदूषण हमारी जीवन शैली से उपजे प्रदूषण की देन भी है।

यह निराशाजनक खबरों के बीच उत्साहवर्धक खबर यह भी है कि भारत में सूक्ष्म कणों से पैदा होने वाले जानलेवा प्रदूषण में गिरावट आई है। लेकिन अभी जीवन प्रत्याशा घटाने वाले प्रदूषण को लेकर जारी लड़ाई खत्म नहीं हुई है। यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो के एनर्जी पॉलिसी इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट 'वायु गुणवत्ता जीवन सूचकांक-2024' बताती है कि भारत में साल 2021 की तुलना में 2022 के वायु प्रदूषण में 19.3 फीसदी की कमी आई है। हालांकि, यह उपलब्धि मौजूदा हालात में बहुत बड़ी तो नहीं कही जा सकती है, लेकिन यह बात उत्साहवर्धक है कि प्रत्येक भारतीय की जीवन प्रत्याशा में इक्यावन दिन की वृद्धि हुई है। हालांकि, हम अभी विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों की कसौटी पर खरे नहीं उतरे हैं, लेकिन एक विश्वास जगा है कि युद्ध स्तर पर प्रयासों से भयावह प्रदूषण के खिलाफ किसी हद तक जंग जीती भी जा सकती है। लेकिन इसके साथ ही सूचकांक-2024 में यह चेताया भी है कि यदि भारत में डब्ल्यूएचओ के वार्षिक पीएम 2.5 के सांद्रता मानक के लक्ष्य पूरे नहीं होते तो भारतीयों की जीवन प्रत्याशा में करीब साढ़े तीन साल की कमी आने की आशंका पैदा हो सकती है। पीएम 2.5 श्वसन प्रणाली में गहराई तक प्रवेश कर सकता है और सांस संबंधी समस्याओं को जन्म देता है। यह स्वास्थ्य को एक बड़ा खतरा है और वायु प्रदूषण का एक प्रमुख कारक है।

हालांकि, राजधानी समेत कई अन्य राज्यों में मेट्रो ट्रेन शुरू होने के बाद प्रदूषण में काफी कमी आई है। इस दिशा में हमें दीर्घकालीन नीतियों के बारे में सोचना होगा। हमारी कोशिश हो कि घनी आबादी के बीच चलायी जा रही औद्योगिक इकाइयों को शहरों से दूर स्थापित किया जाए। हमारे उद्यमियों को भी जिम्मेदार नागरिक के रूप में प्रदूषण नियंत्रण में योगदान देना चाहिए। नीति-नियंताओं को सोचना चाहिए कि प्रदूषण में अप्रत्याशित वृद्धि के बाद दिल्ली आदि महानगरों में चलाये जाने वाले ग्रेडेड रेस्पॉन्स एक्शन प्लान यानी ग्रेप जैसी व्यवस्था को नियमित रूप से लागू क्यों नहीं किया जा सकता? ताजा कुछ अध्ययनों में बताया गया है कि बढ़ता प्रदूषण नवजात शिशुओं तथा बच्चों की जीवन प्रत्याशा पर बुरा प्रभाव डाल रहा है। ऐसे में हमें पराली के निस्तारण, औद्योगिक कचरे के नियमन तथा कार्बन उत्सर्जन करने वाले ईंधन पर रोक लगाने जैसे फौरी उपाय तुरंत करने चाहिए। ऐसे तमाम प्रदूषण स्रोतों को नियंत्रित करने की जरूरत है जो हमारे जीवन पर संकट पैदा कर रहे हैं।

अध्ययन कहता है कि भारत के सबसे कम प्रदूषित शहर भी डब्ल्यूएचओ के निर्धारित मानकों से सात गुना अधिक प्रदूषित हैं। हम न भूलें कि देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की गिनती लगातार दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानियों में होती रही है। दीवाली के बाद जब दिल्ली गहरे प्रदूषण के आगोश में होती है तो कोर्ट से लेकर सरकार तक अति सक्रियता दर्शाते हैं। लेकिन थोड़ी स्थिति सामान्य होने पर परिणाम वही 'ढाक के तीन पात'। कभी पेट्रोल-डीजल के नये मानक तय होते हैं तो कभी जीवाश्म ईंधन पर रोक लगती है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने वर्ष 2019 में प्रदूषण कम करने को राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम देश के सौ से अधिक शहरों में शुरू किया था। चार साल बाद पता चला कि किसी भी शहर ने अपने लक्ष्य को पूरा नहीं किया। विकासशील देश पहले ही निर्धारित वायु गुणवत्ता के मानक पूरा नहीं कर पा रहे हैं, वहीं डब्ल्यूएचओ ने मानकों को और कठोर बना दिया है। सभी सरकारों व नागरिकों का दायित्व बनता है कि अपने-अपने स्तर पर प्रदूषण को कम करने वाली जीवन शैली अपनाएं।

हमें यह भी ध्यान रखना होगा कि पूरी दुनिया में सत्तर लाख मौतें हर साल प्रदूषित वायु के चलते हो रही हैं।

उल्लेखनीय है कि भारत के राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानक के अनुसार हवा में पीएम 2.5 और पीएम 10 के वार्षिक स्तर की सुरक्षित सीमा क्रमशः चालीस माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर और साठ माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर होनी चाहिए। हालांकि, ये मानक विश्व स्वास्थ्य संगठन के दिशानिर्देशों के अनुसार निर्धारित मानकों से कहीं ज्यादा हैं। दरअसल, हमारे नीति-नियंता प्रदूषण कम करने के लिये नागरिकों को जागरूक करने में भी विफल रहे हैं। हमारी सुख-सुविधा की लालसा एवं भौतिकतावादी जीवनशैली की चमक ने भी वायु प्रदूषण बढ़ाया है। अब चाहे गाहे-बगाहे होने वाली आतिशबाजी हो, प्रतिबंध के बावजूद पराली जलाना हो, या फिर सार्वजनिक परिवहन सेवा से परहेज हो, तमाम कारण प्रदूषण बढ़ाने वाले हैं। कल्पना कीजिए बच्चों और दमा, एलर्जी व अन्य सांस के रोगों से जूझने वाले लोगों पर इस प्रदूषण का कितना घातक असर होगा?

रिपोर्ट में उल्लेखित प्रदूषण में आई गिरावट की वजह अनुकूल मौसम संबंधी परिस्थितियां बतायी गई हैं। हालांकि, हकीकत यह भी है कि प्रदूषण नियंत्रण के लिये चलायी जा रही कई योजनाओं के सकारात्मक परिणामों का भी इसमें योगदान रहा है। खासकर भारत सरकार द्वारा चलाये जा रहे राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत जिन शहरों को शामिल किया गया था, वहां भी पीएम-2.5 सांद्रता में गिरावट देखी गई है। वहीं स्वच्छ ईंधन कार्यक्रम का सकारात्मक प्रभाव प्रदूषण नियंत्रण पर नजर आया है। इससे भारत के रिहाइशी इलाकों में कार्बन उत्सर्जन कम करने में मदद मिली है। ऐसी योजनाओं को पूरे देश में लागू करने का सुझाव भी दिया गया है। बहरहाल, हमें वर्ष 2022 के उत्साहजनक परिणामों के सामने आने के बाद व्यापक लक्ष्यों के प्रति उदासीन नहीं होना है। यह एक लंबी लड़ाई है और इसमें सरकार व समाज की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। हमें इस भ्रम में नहीं रहना चाहिए कि सरकारों के भरोसे ही लगातार गहराते पर्यावरण प्रदूषण पर नियंत्रण किया जा सकता है।

ललित गर्ग

निश्चित ही वायु प्रदूषण से उत्पन्न दमघोटू माहौल का संकट जीवन का संकट बनता जा रहा हैं। वायु प्रदूषण का ऐसा विकराल जाल है जिसमें मनुष्य सहित सारे जीव-जंतु फंसकर छटपटा रहे हैं, जीवन सांसों पर छाये संकट से जूझ रहे हैं। यह समस्या साल-दर-साल गंभीर होती जा रही है। सरकारें अनेक लुभावने तर्क एवं तथ्य देकर समस्या को कमतर दिखाने की कोशिशें करती है। लेकिन हकीकत यही है कि लोगों का दम घुट रहा है। अगर वे सचमुच इससे पार पाने को लेकर गंभीर हैं, तो वह व्यावहारिक धरातल पर दिखना चाहिए। प्रश्न है कि पिछले कुछ सालों से लगातार इस महासंकट से जूझ रहे राष्ट्र को कोई समाधान की रोशनी क्यों नहीं मिलती? वास्तव में यह विभिन्न राज्य सरकारों का गैर जिम्मेदाराना व्यवहार है, जिसने सबको जहरीले वायुमंडल में रहने को विवश किया है। इस विषम एवं ज्वलंत समस्या से मुक्ति के लिये हर राजनीतिक दल एवं सरकारों को संवेदनशील एवं अन्तर्दृष्टि-सम्पन्न बनना होगा। प्रदूषण से ठीक उसी प्रकार लड़ना होगा जैसे एक नन्हा-सा दीपक गहन अंधेरे से लड़ता है। छोटी औकात, पर अंधेरे को पास नहीं आने देता। क्षण-क्षण अग्नि-परीक्षा देता है। पर हां! अग्नि परीक्षा से कोई अपने शरीर पर फूस लपेट कर नहीं निकल सकता।

खेतों में पानी भरा, पीला पड़ा सोयाबीन

लगातार जारी है भारी वर्षा का दौर , मौसम विभाग की चेतावनी से किसान चिंतित

माही की गूंज , बरवेट।
जगदीश प्रजापत

कृषि पर अत्यधिक वर्षा का प्रभाव फसलों की वृद्धि और विकास के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह पौधों की वृद्धि और प्रजनन के लिए आवश्यक पानी प्रदान करती है। हालांकि, बहुत अधिक वर्षा हानिकारक हो सकती है और जलभराव और मिट्टी के कटाव का कारण बन सकती है, जिससे फसल की पैदावार प्रभावित हो सकती है। वही आने वाले दिनों में मौसम विभाग की और बारिश की चेतावनी से किसान चिंतित है। क्योंकि कई खेतो में जल भराव होने से फसलें गलने लगी है तो कई खेतो में सोयाबीन की फसल पीली पड़ कर खराब हो रही है। गौरतलब है कि, पिछले एक पखवाड़े से रोजाना रुक-रुक कर मूसलाधार वर्षा से जिले सहित बरवेट अंचल के किसानों की चिंता बढ़ने लगी है। कई किसानों के खेत, तालाब बन गए हैं। जिससे उनकी फसलों को अब नुकसान का खतरा सता रहा है। वहीं हाइब्रिड सब्जियों की खेती करने वाले किसान लगाकर वर्षा से चिंतित नजर आ रहे हैं। जिले में ओसत वर्षा के आंकड़े को पार कर अतिवृष्टी की ओर अग्रसर हो रही है। जो कि अगली रबी की सीजन को लाभ होगा। लेकिन खरीब की फसलो पर किसानों की परेशानी बढ़ती हुई नजर आ रही है।

सोयाबीन की फसल में हो सकता है बड़ा नुकसान

पिछले एक पखवाड़े से हो रही झमाझम वर्षा से कई खेतो में पानी भर गया है जिसमें किसानों की सोयाबीन की फसल खड़ी है।

किसान मोहन बंजारा टांडा, शामू निनामा कुवारझर का कहना है कि, ऐसे ही बरसात का दौर जारी रहा तो खेतो में पानी भरा ही रहेगा, ऐसे में पूरी फसल खराब हो जाएगी।

किसान पन्नालाल पाटीदार, रतनलाल पाटीदार बताते हैं कि, सबसे अधिक नुकसान भारी गलन वाली खेती करने वाले किसानों को है। ऐसे अधिकतर खेत, तालाब बन गए हैं। खेतो में पानी जमा है, आने वाले दिनों में बरसात खुलने के कोई आसार नजर नही आ रहे है, ऐसे में सोयाबीन उत्पादन प्रभावित हो सकता है।

जिले में इतने रकबे में होती है सोयाबीन की खेती

कृषि विभाग के आंकड़े अनुसार जिले भर में खरीब की खेती का रकबा एक लाख नब्बे हजार हेक्टेयर है। जिसमे एक बड़े रकबे में सोयाबीन की खेती की जाती है। फिलहाल अन्य तिलहन सहित सोयाबीन का रकबा 89 हजार हेक्टेयर है। किसानों की माने तो हर साल किसानों को सोयाबीन की फसल में बड़ा नुकसान उठाना पड़ रहा है वही किसानो को सोयाबिन के उचित भाव नही मिलने से दोहरे नुकसान की मार झेलना पड़ रही है। हर साल मौसम की मार से फसल खराब हो रही है। इस साल लगता है अत्यधिक बारिश से फसल खराब हो जाएगी। ज़्यादा वर्षा होने से जल जमाव जैसी स्थिति उत्पन्न होती है, जिससे मिट्टी के पोषक तत्व खत्म हो सकते हैं और फसल को बड़ा नुकसान हो सकता है।

आज से होगी 2 स्थानों पर संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा

माही की गूंज, झाबुआ।

स्थानिय श्री गोवर्धन नाथ मंदिर परिसर में दिव्य भागवत ज्ञान कथा का आयोजन मंदिर समिति द्वारा आज से 18 सितंबर तक प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से सायं 6 बजे तक किया जा रहा है। श्री भागवत कथा की व्यास पीठ पर सीतामऊ जिला मंदसौर निवासी शास्त्री विजयकुमार जी द्विवेदी विराजित होंगे। जिनके मुखारविंद से संगीत मय भागवत ज्ञान गंगा कथा प्रवाहित होगी। सनातनी परंपरा में भागवत कथा का बड़ा महत्व है, कथा को यदि संकल्प लेकर सारे नियमों का पालन करते हुए सुना जाए तो मानव मात्र को संसार सागर से मुक्ति अर्थात मोक्ष की प्राप्ति हो जाती है।

श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन श्री गोवर्धन नाथ मंदिर समिति झाबुआ के द्वारा किया जा रहा है ,जिसमें व्यवस्था समिति के प्रभारी हरीश शाह एवं तनिष्क अरोड़ा (कान्हा)ने अपिल की है कि इस पावन पुनीत ज्ञान गंगा सप्ताह में अधिक से अधिक संख्या में सनातनी भक्त पधार कर धर्म लाभ लेवे।

शनि मंदिर में होगी भागवत कथा

श्री पद्मवंशीय मेवाड़ा राठौर (तेली) समाज झाबुआ द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी शहर के सिद्धेश्वर कॉलोनी स्थित श्री विश्व शांति नवग्रह शनि मंदिर परिसर में संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन आज से 18 सिंतम्बर तक होगी। पं. अनुपानंदजी महाराज (कानपुर), उत्तरप्रदेश के मुखारविंद से कथा का वाचन होगा।

समाज के अध्यक्ष रामचंद्र राठौर के अनुसार 12 से 18 सितंबर तक प्रतिदिन सुबह 9 से दोपहर 12 बजे एवं दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक श्री नवग्रह शनि मंदिर परिसर में कथा का वाचन होगा। अंतिम दिन 18 सितंबर की शाम 5 बजे से शहर के प्रमुख मार्गो से शोभायात्रा निकाली जाएगी। राठौर समाज ने सर्व समाज के लोगों से श्रीमद् भागवत कथा का प्रतिदिन अधिक से अधिक संख्या में शनि मंदिर पधारकर धर्म लाभ लेने का आग्रह किया है।

21 को आयोजित होगा पेशनरों के लिये शिविर

माही की गूंज, झाबुआ।

प्रोग्रेसिव्ह पेंशनर्स एसोसिएशन जिला झाबुआ के जिलाध्यक्ष अरविन्द व्यास ने जानकारी देते हुए बताया कि, आगामी 21 सितम्बर शनिवार को एकलव्य भवन,थांदला गेट जिला पेंशनर्स कार्यालय परिसर में पेंशनरों एवं उनके परिवार के लिये वृहद डायबिटीज व ब्लड प्रेशर जांच एवं निदान शिविर का आयोजन किया जारहा है।

शिविर संयोजक पूर्व सिविल सर्जन एवं प्रख्यात मेडिकल स्पेशलिस्ट डा. एलएस राठौर ने बताया कि, मधुमेह और उच्च रक्तचाप दोनों ही मेटाबॉलिक सिंड्रोम हैं और अक्सर एक साथ होते हैं। इन दोनों बीमारियों के बीच का संबंध परस्पर रहता ही है। मधुमेह से पीड़ित व्यक्ति को उच्च रक्तचाप होने की संभावना दोगुनी होती है। मधुमेह और उच्च रक्तचाप दोनों एक साथ होने पर हृदय रोग और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। मधुमेह से पीड़ित व्यक्ति को हृदय रोग होने की संभावना, बिना मधुमेह के व्यक्ति की तुलना में चार गुना ज़्यादा होती है। मधुमेह से गुर्दे को नुकसान पहुंचता है, जिससे नमक और पानी जमा हो जाता है और रक्तचाप बढ़ जाता है। मधुमेह से छोटी-छोटी रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचता है, जिससे रक्त वाहिकाओं की दीवारें सख्त हो जाती हैं और ठीक से काम नहीं करतीं। मधुमेह से धमनियों को नुकसान पहुंचता है और सख्त होने लगती हैं, जिसे एथेरोस्क्लेरोसिस कहते हैं। ऐसे मरीजों को दवाओं से उपचार की सलाह दी जाती है।

डा. राठौर ने प्रोग्रेसिव्ह पेंशनर्स एसोसिएशन के सभी पेंशनरों से आग्रह किया है कि, आयोजित किये जारहे इस निशुल्क शिविर में डायबिटीज एवं ब्लड प्रेशर की जांच करवा कर दवाईयों का नियमित सेवन करके इस रोग को नियन्त्रित करने के लिये इसका जरूर लाभ लेवें । प्रोग्रेसिव्ह पेंशनर एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष श्री अरविन्द व्यास उपाध्यक्ष सुभाश दुबे, पुरूषोत्तम ताम्रकार ने पेंशनरों से अपील की है कि, इस निशुल्क शिविर का जरूर लाभ उठावे ।

जैन मैत्री मिलन समारोह में किया सम्मान

माही की गूंज ,पेटलावद।

समग्र जैन समाज की प्रतिनिधि संस्था महावीर समिति के बैनर तले जैन मैत्री मिलन समारोह का आयोजन हुआ। आयोजन में समाज के वरिष्ठजनों के साथ मुमुक्षु मीमांसा भी सम्मान किया गया।

शहर के निजी गार्डन में आयोजित मैत्री मिलन समारोह में स्वागत भाषण महावीर समिति के अध्यक्ष संजय व्होरा (पप्पू भाई) ने देते हुए समिति के द्वारा जारी परंपरा के बारे में बताया।

आयोजन में समाज के वरिष्ठ श्रावक अमृतलाल मेहता, सुरेंद्र मेहता, हस्तीमल बाफना, कालूराम मारू, विनोद पटवा, चंदनमल चाणोदिया, बसंतीलालज पटवा एवं डा जिनेंद्र जैन का सम्मान महावीर समिति के पूर्व अध्यक्ष संजय चाणोदिया, श्रीसंघ के पूर्व अध्यक्ष नरेंद्र कटकानी, सचिव विनोद बाफना ,कांतिलाल झालोका, कचरूमल मुरार, राजेंद्र भंडारी, दिलीप लोढ़ा, शैलेश कोटडिया, राजेंद्र छजलानी, पंकज जे पटवा , अणु मित्र मंडल के सिद्धू चाणोदिया आदि ने शाल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर किया गया।

मुमुक्षु का भी किया सम्मान

समारोह में मुमुक्ष मिमांशा ऐनी पटवा का सम्मान महावीर समिति के अध्यक्ष संजय व्होरा,उपाध्यक्ष संजय मालवी, चेतन कटकानी, सचिव विजय भंडारी, कोषाध्यक्ष राकेश मांडोत, मीडिया प्रभारी संजय पी लोढ़ा ने किया। इस मौके पर मुमुक्षु के परिजन सहित बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद रहे। इस अवसर पर मुमुक्षु बहना ने समाजजनों से जाने अनजाने में हुई भूलों के लिए खमत्त खामना किया।

मंत्री भूरिया ने भाजपा के सदस्य बनाए

माही की गूंज ,पेटलावद।

भाजपा के सदस्यता अभियान में विधायक व मप्र शासन केबिनेट मंत्री निर्मला भूरिया ने संगठन की टीम के साथ नगर में सदस्य बनाये और पार्टी को मजबूत करने पर जोर दिया।

सुश्री भूरिया ने भाजपा के वरिष्ठ अम्बालाल वसुनिया, छोगालाल भाई, विनोद पुरोहित को मोबाइल एप के माध्यम से सदस्यता दिलवाकर पुनः भाजपा की सदस्यता दिलवाई।

सुश्री भूरिया ने कहा कि, देश प्रदेश में भाजपा सरकार ने सबका साथ सबका विकास के साथ चहुंमुखी विकास किया है। प्रधानमंत्री, प्रदेश के मुख्यमंत्री ने सभी वर्गों के हित में प्रदेश को विकास की राह दिखाई है। प्रदेश में निवेश कर युवाओं को रोजगार देकर तरक्की की ओर ले जाया जा रहा है। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष रमेश सोलंकी, विधानसभा प्रभारी हेमंत भट्ट, , महामंत्री संजय कहार, मंडल अध्यक्ष सुखराम मोरी, जितेंद गेहलोत, नीलेश मीणा, विनोद पुरोहित, दुर्गादास मोटापाला, जिलाध्यक्ष पिछड़ा मोर्चा सोनू विश्वकर्मा, मुकेश परमार, रचित गादिया मौजूद थे।

72 घंटे में किसान की शिकायत के बाद मिलेगा बीमा

माही की गूंज झाबुआ ।

विगत कई दिनों से जिले मे वर्षा निरन्तर होने से अधिसूचित क्षेत्र में बोई गई फसल क्षेत्रो में जलभराव की स्थिति निर्मित होने की स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए जिन किसान भाईयों के द्वारा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अन्तर्गत खरीफ मौसम 2024 के अन्तर्गत फसल बीमा करवाया गया है, ऐसे जिले के समस्त कृषको से अनुरोध है कि, उक्त योजना अंतर्गत स्थानीय प्राकृतिक आपदाओं अन्तर्गत अतिवृष्टि से जलभराव के कारण फसल क्षति होने पर फसल बीमा शिकायत टोल फ्री नम्बर 14447 पर किसानो द्वारा व्यक्तिगत रूप से 72 घंटो के अन्दर शिकायत दर्ज करवाने का प्रावधान है। टोल फ्री नम्बर पर शिकायत दर्ज करवाने के उपरान्त ही योजनान्तर्गत प्रावधान अनुसारी फसल नुकसान का सर्वे किया जाकर क्षति प्रतिशत अनुसार आगामी कार्यवाही मान्य है, तथा आवश्यक सहायता हेतु संबंधित बैंक शाखा,बीमा कंपनी कार्यालय एवं स्थानीय कृषि विभाग कार्यालय से सम्पर्क कर सकते है।

3 आवेदकों को दी आर्थिक सहायता

माही की गूंज
झाबुआ।

मंगलवार को जिला मुख्यालय पर जनसुनवाई ली गई। कलेक्टर एवं अध्यक्ष रेडक्रॉस समिति नेहा मीना के द्वारा श्रीमती मीरा बैवा मडिया सौलंकी निवासी ग्राम भूतखेडी मंदिर फलिया तहसील राणापुर जिला झाबुआ द्वारा कलेक्टर के समक्ष जनसुनवाई में आवेदन प्रस्तुत कर बताया कि, प्रार्थिया के पति की मृत्यु होने से उसके पालन पोषण करने वाला कोई नहीं है। तथा प्रार्थिया की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। कलेक्टर द्वारा तत्काल 20 हजार रुपये आर्थिक सहायता राशि दी गई। आवेदक अमजद खान पिता इकबाल खान निवासी टिचर्स कॉलोनी झाबुआ ने आर्थिक सहायता हेतु आवेदन किया था। कलेक्टर द्वारा तत्काल 10 हजार रुपये आर्थिक सहायता राशि दी गई। आवेदक कैलाश पिता झुमला वाखला निवासी ग्राम आमलीफलिया ने आवेदन प्रस्तुत कर बताया कि, प्रार्थी दिव्यांग है तथा पत्नी का ईलाज करवाने में असमर्थ हैं। इसलिए आर्थिक सहायता हेतु आवेदन किया था। कलेक्टर द्वारा तत्काल 5 हजार रुपये आर्थिक सहायता राशि दी गई। इसी के साथ त्वरित निराकरण करते हुए कैलाश पिता झुमला वाखला की दिव्यांग पेंशन का प्रकरण बनाकर स्वीकृत किया।

आवेदक मांगीया पिता गुला डामोर निवासी ग्राम भीमपुरी तहसील थांदला जिला झाबुआ ने विपक्षीगण ने फसल नष्ट करने के सम्बन्ध में आवेदन प्रस्तुत किया गया। आवेदिका श्रीमती मन्ना पति हुरसिंग भूरिया ग्राम कुण्डिया फलिया पलासडोर तहसील थांदला द्वारा फर्जी पांचवी की अंकसूची लगाकर आंगनवाडी सहायिका पद पर भर्ती होने के सम्बन्ध में आवेदन प्रस्तुत किया गया। आवेदक समस्त ग्रामवासी द्वारा बताया गया कि, शासकीय उचित मूल्य दुकान ढेकल बडी व टीकडी मोती समय पर अनाज नहीं मिलने के सम्बन्ध में आवेदन प्रस्तुत किया गया। कलेक्टर नेहा मीना द्वारा सम्बंधित अधिकारियों को समस्याओं को समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए।

भारी बारिश ने किया बेहाल, कई जगह सड़क मार्ग बाधित होने से फंसे लोग

माही की गूंज , बरवेट।

भादो के महीने में झूमकर बादल बरस रहे है। जैसे ही भादवा माह की शुरुआत हुई तब से रोजाना रुक-रुक कर झमाझम बरसात हो रही है। जिससे जिले में बरसात ओसत आंकड़े को पार कर गई है। मंगलवार सुबह हुई झमाझम बरसात होने से नदी-नाले उफान पर आ गए। जिससे बरवेट,सारंगी मांर्ग पर लाड़की नदी पर उफान देखने को मिला वही तीन घंटे मार्ग बाधित हुआ। बरवेट से उज्जैन, रतलाम जाने वाले यात्रियों को 30 किलोमीटर का अतिरिक्त कचक्कर लगा। बरवेट से रतलाम,उज्जैन जाने वाली बसों को पेटलावद होकर जाना पड़ा।

मानसून सीजन अपने अंतिम दौर से गुजर रहा है। भादो माह लगते ही लगातार 15 दिनों से रोजाना रुक-रुक कर जोरदार वर्षा हो रही है। जहां देखो वहां पानी ही पानी दिखाई दे रहा। नदी-नाले उफान पर रहने से कई गाव का सड़क संपर्क के घंटो तक बाधित रहता है। निचले घरों के अंदर पानी भरने से लोगो को परेशान होना पड़ रहा। वहीं ग्रामीण अंचलों में खेत, तालाब की तरह भरे नजर आ रहे। भादो माह में जिस तरह से बरसात हो रही है। ऐसा कई सालों बाद देखने को मिल रहा है। अब तो आलम यह है कि, आधे घंटे की वर्षा होने से सबकुछ जलमग्न हो जाता है।

जान जोखिम में डालकर नदी पार कर रहे ग्रामीण

बरवेट अंचल में रोजाना रुक-रुक कर हो रही झमाझम बरसात से नदी नालों में पानी आ जाता है। जहा पर प्रशासन के अलर्ट जारी करने के बावजूद भी ग्रामीण लोग जान जोखिम में डालकर नदी पार करते नजर आए। हालांकि वर्षा थमने के कुछ घण्टो में ही सड़क मार्ग शुरू हो गया लेकिन होने वाली बारिश के चलते आये दिन सड़क मार्ग प्रभावित हो रहे है ।

संपादकीय

पटरी से उतरी रेल

पिछले दिनों लगातार होती रही रेल दुर्घटनाएं हर किसी व्यक्ति को परेशान करती रही हैं। दुनिया के चौथे सबसे बड़े रेलवे नेटवर्क पर हम भारतीय गर्व करते रहे हैं। करीब सवा बारह लाख कर्मचारियों वाला भारतीय रेलवे दुनिया की आठवीं सबसे बड़ी व्यावसायिक इकाई है। लेकिन गाहे-बगाहे होने वाली रेल दुर्घटनाएं हमें विचलित करती हैं कि रेल यात्री की जिंदगी इतनी सस्ती क्यों है? जिन लोगों के पास रेलवे सुरक्षा का जिम्मा है क्या वे अपने दायित्वों का निर्वहन सही ढंग से नहीं कर पा रहे हैं? निस्संदेह, देश में भारतीय रेलवे दशकों तक राजनीतिक हित साधने का शार्टकट माध्यम रहा है। गठबंधन सरकारों में घटक दलों के सांसदों में रेल मंत्रालय लेने की होड़ रहा करती थी। वजह थी कि अपने राज्य व संसदीय क्षेत्रों के बेरोजगारों को विशाल रेल तंत्र में खपाया जा सके। यह यक्ष प्रश्न है कि राजनीतिक हस्तक्षेप से की गई नियुक्तियां किस हद तक किसी विभाग या काम की गुणवत्ता को प्रभावित करती हैं। विडंबना यह भी कि राजनीतिक लाभ के लिये नित नयी ट्रेनों की घोषणा करने वाले राजनेताओं ने रेलवे में सेवा की गुणवत्ता व सुरक्षा के पहलुओं को उतनी गंभीरता से नहीं लिया। कोई वैज्ञानिक अध्ययन सामने नहीं आया जो इस बात की व्याख्या कर सके कि पुराना रेलवे ढांचा क्या तेज गति की ट्रेनों के दबाव को सह लेगा? सर्वविदित है कि तमाम छोटी-बड़ी रेल दुर्घटनाओं के मूल में मानवीय चूक का पहलू भी सामने आता रहा है। लेकिन हाल के दिनों में रेलों को पटरी से उतारने की साजिश का जो एंगल सामने आया है, वह बेहद डरावना है। दरअसल, आधा दर्जन से अधिक स्थानों पर रेल की पटरी पर ऐसे अवरोधक पाये गए हैं, जो रेल को पटरी से उतारकर बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकते थे। इस बाबत कुछ वीडियो सुर्खियों में रहे, जिसमें पाक में सक्रिय कट्टरपंथी भारतीय रेलों को पटरी से उतारने की बात कर रहे थे।

बीते रविवार उ.प्र. में कानपुर के निकट प्रयागराज-भिवानी कालिंदी एक्सप्रेस पटरी पर रखे एलपीजी सिलेंडर से टकरा गई। शुक्र है कि सिलेंडर छिटकने से विस्फोट न हो पाने पर दुर्घटना का खतरा टल गया। इस तरह पटरी से ट्रेन को उतारने की साजिश विफल हो गई। वास्तव में पिछले कुछ वर्षों में तमाम तेज गति की नई ट्रेनें पटरियों पर दौड़ रही हैं। उनकी गति भी बढ़ी है और रेलों की आवाजाही भी। ऐसे में सुरक्षा के प्रबंध चाकचौबंद न होने से हजारों यात्रियों की जान का जोखिम बना रहता है। यहां उल्लेखनीय है कि पिछले महीने भी कानपुर के पास ही वाराणसी-अहमदाबाद साबरमती एक्सप्रेस के करीब दो दर्जन डिब्बे पटरी से उतर गये थे। तब भी चालक ने किसी चट्टान के इंजन से टकराने की बात कही थी। इससे पहले चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस के बेपटरी होने से चार यात्रियों को जान से हाथ धोना पड़ा था। निस्संदेह, इसके साथ ही रेलवे ट्रैक को नुकसान पहुंचाने की कुछ अन्य घटनाएं भी सामने आई हैं। ये घटनाएं बताती हैं कि ट्रेन में सफर कर रहे हजारों नागरिकों की जीवन रक्षा के लिये रेलवे के सुरक्षातंत्र को फुलप्रूफ बनाने की जरूरत है। ये घटनाएं हमें विचार के लिये बाध्य करती हैं कि चांद व मंगल पर दस्तक देने वाला भारत अपने रेलवे तंत्र को दुर्घटनामुक्त क्यों नहीं बना पा रहा है। नीति-नियंताओं को यह भी ध्यान रखना चाहिए कि गति से ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि पहले सुरक्षा चाकचौबंद की जाए। यदि रेलवे को निशाने बनाने की साजिश हुई है तो उसकी उच्चस्तरीय जांच की जानी चाहिए। सिर्फ आरोप लगाने काफी नहीं हैं। नहीं तो विपक्ष को यह कहने का मौका मिलेगा कि सरकार अपनी विफलता छुपाने के लिये इस तरह के तर्क दे रही है। वैसे एक हकीकत यह भी कि लोकलुभावन नीतियों व लोकतंत्र में वोटतंत्र के हावी होने की वजह से रेलवे के किराये को तार्किक नहीं बनाया जा सका है। याद रहे रेलवे को दुर्घटनाओं से निरापद बनाने के लिये आधुनिक तकनीक व उपकरणों को लगाने के लिये बड़ी पूंजी की जरूरत होती है। जिससे रेल यात्रा को दुर्घटना मुक्त बनाने में मदद मिल सकेगी।

आंतरिक सुरक्षा के लिए सबक है मणिपुर संकट

मणिपुर में मैतेयियों पर हमला करने के लिए कुकी विद्रोहियों द्वारा रॉकेट और बम ले जाने में सक्षम ड्रोनों का इस्तेमाल किया जाना, सूबे की अशांति में एक नया खतरनाक आयाम दर्शाता है। इनका इस्तेमाल न केवल मैतेयी बल्कि पूर्वोत्तर के अन्य उग्रवादी संगठनों के अलावा जम्मू-कश्मीर एवं भारत भर में सक्रिय उग्रवादियों, विद्रोहियों, नक्सलियों और अंदरूनी-बाहरी ताकतों को भी नया तरीका सुझाएगा।

जहां इन ड्रोनों का इस्तेमाल ज्यादातर हमास और हिजबुल्लाह जैसे अत्यधिक संगठित उग्रवादी समूहों द्वारा इस्राइल के खिलाफ किया जाता है वहीं इस्राइल, रूस और यूक्रेन जैसे देशों की सेना भी युद्धों में करती आई हैं। लेकिन अब अपराधियों के हाथों में, ये घातक हथियार का रूप धर सकते हैं।

मणिपुर सरकार, सुरक्षा बल और केंद्रीय सरकार, यह सभी, हिंसा की अप्रत्याशित ताजा लहर से घिरे पाए गए हैं। या तो खुफिया एजेंसियां इस इजाफे का अनुमान लगाने में विफल रहीं या फिर प्रतिक्रिया यथेष्ट नहीं रही, जो कि दुर्भाग्यपूर्ण है। हालांकि, केंद्र सरकार के पास इस खतरे का मुकाबला करने के लिए तमाम संसाधन हैं। सेना, असम राइफल्स और भारतीय वायु सेना को तुरंत एकीकृत अभियान से इस नए खतरे पर लगाम लगानी चाहिए। उम्मीद है कि वे जल्द ही ऐसा करेंगे भी। लेकिन मणिपुर पुलिस को प्रशिक्षित करना और सुसज्जित करना एक चुनौती होगी, क्योंकि यह पूरी तरह से अलग खेल है। राज्य पुलिस की विगत कारगुजारी का लेखा-जोखा खराब रहने के कारण उसे पुनर्गठित करना होगा। आंतरिक और बाहरी, दोनों तरह की खुफिया एजेंसियों को भी अपने काम में काफी चुस्ती लानी होगी।

कुकी उग्रवादी हाल के हमलों को अंजाम देने में इसलिए सक्षम हुए हैं क्योंकि उन्हें नशा माफिया से भारी मदद मिलती है, जो पिछले साल से मणिपुर में चल रही उथल-पुथल के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं। चूड़ाचांदपुर और आसपास के इलाकों में अफीम की खेती में उछाल आया है जो कि मुख्य रूप से कुकी करते हैं- क्योंकि म्यांमार में सेना द्वारा बढ़ाए दबाव के कारण उनके रिश्तेदारों की मणिपुर में आमद हुई है। मणिपुर तस्करी के लिए कुख्यात 'गोल्डन ट्राइंगल' के छोर पर स्थित है और इस कारोबार का रास्ता भारत एवं अन्य देशों के लिए यहीं से होकर गुजरता है। इसलिए, नशा माफिया मणिपुर पर संपूर्ण नियंत्रण चाहता है। कुकियों की गतिविधियों की वित्तीय सहायता करने को उनके पास पैसे की कोई कमी नहीं है। पिछले वर्ष मणिपुर उच्च न्यायालय द्वारा दिया गया वह आदेश, जिसमें राज्य सरकार से मैतेयियों के लिए अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने पर विचार करने और आगे यह सिफारिश केंद्र सरकार को पहुंचाने के लिए कहा गया था, इसका उपयोग जान-बूझकर अर्थ गलत पेश करके कुकी-मैतेयी के बीच संघर्ष की चिंगारी भड़काने में किया गया।

कुकी अब न केवल एक अलग राज्य चाहते हैं, बल्कि एक अलग देश, 'कुकीलैंड' चाहते हैं, इसमें वे संपूर्ण पूर्वोत्तर और बांग्लादेश का कुछ इलाका बताते हैं। दूसरी ओर, नागा लोग भी अपने लिए अलग राष्ट्र के रूप 'ग्रेटर नागालैंड' बनाना चाहते हैं, जिसमें मणिपुर, असम, अरुणाचल प्रदेश और म्यांमार के कुछ हिस्से दर्शाते हैं। फिर, असम का 'उल्फा' (यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम) भी यही कुछ चाहता है।

चीन, बांग्लादेश और पाकिस्तान अपने हितों की पूर्ति हेतु इन टकरावों को हवा दे रहे हैं। चीन पहले ही अरुणाचल प्रदेश को अपना हिस्सा बताता रहा है। गौरतलब है कि 1962 में चीन ने भारत पर दो तरफ से हमला किया थादृएक था, नॉर्थईस्ट फ्रंटियर एजेंसी इलाके में (जिसमें फिलहाल अरुणाचल प्रदेश और असम के कुछ हिस्से हैं) और दूसरा मोर्चा लद्दाख क्षेत्र के आसपास खोला था। जिस वक्त पाकिस्तान वजूद में आ रहा था, तब भी कुछ मुस्लिम नेताओं की मांग थी कि पूर्वोत्तर पूर्वी पाकिस्तान में शामिल किया जाए। उनके मुताबिक असम इस नए देश का 'नैसर्गिक विस्तार' है। यह विचार अभी भी बांग्लादेश में कहीं न कहीं जिंदा है।

निस्संदेह, पूर्वोत्तर भारत की नाजुक रग है। कई शक्तिशाली देशों की भारत को कमज़ोर करने में दिलचस्पी है। केंद्र सरकार द्वारा सालों तक पूर्वोत्तर, विशेषकर मणिपुर, की उपेक्षा करना एक तथ्य है। पिछले साल शुरू हुए संघर्ष को ढंग से नियंत्रित करने में विफलता ने दुश्मनी निभाने वाली शक्तियों को उत्साहित किया है। इसलिए ये तत्व अब पूर्वोत्तर के अलावा संपूर्ण भारत को अस्थिर करने के लिए एकजुट होने लगे हैं।

मणिपुर में बिगड़ते हालात- जिसने न केवल राज्य के निवासियों बल्कि पूरे देश के लोगों को परेशान कर रखा है, चिंता का विषय है। अन्य देश अवश्य ही भारत के घटनाक्रम पर नज़र रखे हुए होंगे। वे इंतजार में होंगे कि देखें भारत इससे कैसे निपटता है। भारत जैसी उभरती हुई शक्ति को स्थिति अपने हाथ से निकलना और अधिक गवारा नहीं करना चाहिए। वक्त आ गया है कि देश अपनी पूरी ताकत से जवाब दे और इस क्षेत्र के मामलों में अधिक दिलचस्पी लेकर काम करे।

बी.एल. वोहरा

कुकी उग्रवादियों की गतिविधियों पर काबू पाना, हज़ारों हथियारों की बरामदगी एवं कुकी-मैतेयी के बीच शांति बहाली फिलहाल सर्वोच्च प्राथमिकता हो। इसके अलावा, संकट के हल में, तमाम राजनीतिक, सैन्य, कूटनीतिक, आर्थिक और न्यायिक उपायों का उपयोग किया जाए। सामान्य स्थिति बहाल होने तक मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू किया जाए। राजनीतिक नेतृत्व में बदलाव भी इस क्रम में जरूरी है। नौकरशाही एवं पुलिस तंत्र में भी आमूलचूल परिवर्तन आवश्यक है। केंद्र सरकार द्वारा कड़ी निगरानी और सहायता जरूरी है ताकि चीजों को और अधिक बिगड़ने से रोकना सुनिश्चित हो सके।

केंद्रीय स्तर पर, आंतरिक सुरक्षा के लिए एक अलग से मंत्रालय की स्थापना किए जाने की सख्त जरूरत है। आखिरकार, गृह मंत्रालय (एमएचए) के पास बहुत सारे कामों का बोझ है। आंतरिक सुरक्षा की निरंतर निगरानी वक्त की दरकार है। अन्य मुद्दों के अलावा, पूर्वोत्तर, जम्मू-कश्मीर, नक्सल प्रभावित राज्यों की स्थिति, विदेशों में अलगाववादियों की गतिविधियां, साइबर अपराध, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से उभर रहे नए सुरक्षा खतरे, बांग्लादेश से आव्रजन इत्यादि मामलों में निरंतर ध्यान बने रहना एक आवश्यकता है। भारत जैसे विशाल देश में, जहां कई हिस्से समस्याग्रस्त हैं, गृह मंत्रालय देश की सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषय को अपने रोजमर्रा के अन्य कई कामों में एक रूप में लेना गवारा नहीं कर सकता।

स्वदेशी एआई बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाएं

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) इंसानी बुद्धिमत्ता का पूरक बन कर लोगों के जीने और काम करने के तरीकों को बेहतर बनाने के अवसर प्रदान करती है। अपने व्यापक अनुप्रयोगों के साथ, एआई और मशीन लर्निंग हमारे जीवन के लगभग सभी तकनीकी पहलुओं में मौजूद हैं। वृहद स्तर पर देखें तो एआई और मशीन लर्निंग ने कृषि, खुदरा, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा सहित कई क्षेत्रों पर व्यापक प्रभाव डाला है। आज पूरी दुनिया में एआई हावी है। इस क्षेत्र में तेजी से हो रहे विकास को देखते हुए भविष्य भी एआई का ही होगा। भारत को इस क्षेत्र की अपार क्षमताओं का भरपूर लाभ उठाने के लिए अभी बहुत कुछ करना है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की असीम संभावनाओं, हजारों एआई स्टार्टअप्स और देश में प्रौद्योगिकी प्रतिभाओं के विशाल भंडार को लेकर तमाम उत्साह के बावजूद,भारत एआई अनुसंधान में अमेरिका और चीन से बहुत पीछे है। अग्रणी शिक्षाविद इसके लिए फंडिंग की कमी और शोध के लिए बुनियादी ढांचे को जिम्मेदार ठहराते हैं। एआई एक्सेलेरेटर और इकोसिस्टम बिल्डर चेंज इंजन द्वारा किए एक अध्ययन के अनुसार दुनिया के शीर्ष 10 एआई सम्मेलनों में पेपर योगदान के मामले में देश एआई अनुसंधान में 14वें स्थान पर है, जिसकी वैश्विक हिस्सेदारी सिर्फ 1.4 प्रतिशत है।

अध्ययन के अनुसार, अमेरिका और चीन क्रमशः 30.4 प्रतिशत और 22.8 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ एआई अनुसंधान पर हावी हैं। अध्ययन में यह भी कहा गया है कि भारत को पांच साल में 5 प्रतिशत वैश्विक हिस्सेदारी पाने और विश्व स्तरीय नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए एआई अनुसंधान को कम से कम 40 प्रतिशत प्रति वर्ष बढ़ाने की आवश्यकता है। अध्ययन में यह भी पता चला है कि भारत की एआई वृद्धि दर 15.5 प्रतिशत है, जो एशियाई टाइगर इकॉनमी वाले देशों में देखी गई 20 प्रतिशत प्लस वृद्धि दर से काफी कम है। संयुक्त राज्य अमेरिका की वृद्धि दर अग्रणी देशों में सबसे कम है, जिसका मुख्य कारण इसका पहले से ही पर्याप्त योगदान आकार है। चीन 29.5 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि का दावा करता है, हांगकांग 23.6 प्रतिशत हासिल करता है जबकि दक्षिण कोरिया 29.3 प्रतिशत का प्रभावशाली प्रदर्शन करता है।

दरअसल, अध्ययन से एआई सम्मेलनों में भारत के विभिन्न संस्थानों द्वारा किए गए योगदान का भी पता चलता है। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस (आईआईएससी), बेंगलुरू और आईआईटी मुंबई कुल भारतीय योगदान का क्रमशः 15.6 प्रतिशत और 10.3 प्रतिशत योगदान देकर सबसे आगे हैं। 2018 से 2023 तक इन सम्मेलनों में भारत के एआई योगदान के 70 प्रतिशत के लिए आठ संस्थान जिम्मेदार हैं। इनमें आईआईएससी के अलावा सात आईआईटी शामिल हैं। रिपोर्ट में इन संसाधनों को एआई लीडर्स बताया गया है।

इसके अतिरिक्त, रिपोर्ट में 'एआई राइजिंग स्टार्स' के एक समूह की पहचान की गई है, जिनकी वृद्धि दर पिछले दशक में 15 प्रतिशत से अधिक हो गई है और अगले पांच वर्षों में उनके द्वारा उल्लेखनीय रूप से योगदान दिए जाने की उम्मीद है। ये उभरते संस्थान हैं आईआईटी हैदराबाद, आईआईटी जोधपुर, डीटीयू, आईएसआई कोलकाता, आईआईटी रुड़की और आईआईटी पटना।

अध्ययन में एआई के क्षेत्र में ज्ञान साझा करने के लिए शीर्ष 20 भारतीय संस्थानों और अमेरिका, यूरोप और दक्षिण पूर्व एशिया के विश्वविद्यालयों के बीच संयुक्त पीएचडी कार्यक्रमों के निर्माण की वकालत की गई है। आईआईटी कानपुर के न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी के साथ मौजूदा सफल कार्यक्रम को ऐसी पहलों के लिए एक मॉडल के रूप में उजागर किया गया है।

बिट्स पिलानी के कुलपति वी?. रामगोपाल राव का कहना है कि अमेरिका और चीन जैसे देशों ने उच्च शिक्षा और बड़े संस्थानों में भारी निवेश किया है। बिट्स पिलानी, एआई शोध में देश के शीर्ष 20 स्कूलों में एकमात्र निजी संस्थान है। उन्होंने कहा कि चीन अकेले पेकिंग और सिंघुआ विश्वविद्यालयों पर जो खर्च करता है, वह भारतीय शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा बजट के बराबर है। इसलिए कुछ विश्वविद्यालय होने चाहिए जिन्हें प्राथमिकता दी जाए और फिर आप वहां क्षमता का निर्माण करें। यह बिल्कुल वैसा ही है जैसा चीन ने किया।

राव ने उच्च शिक्षा पर अधिक ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, भारत में प्रति दस लाख लोगों पर 255 शोधकर्ता हैं, जबकि अमेरिका जैसे देशों में 4,245 है। उन्होंने कहा, जीडीपी के प्रतिशत के रूप में, भारत में उच्च शिक्षा में निवेश कम हो रहा है। चेंज इंजिन के संस्थापक वरुण अग्रवाल ने कहा कि बुनियादी एआई शोध में क्षमता एआई अनुप्रयोगों और प्रसार के अलावा भारत के दीर्घकालिक नेतृत्व के लिए महत्वपूर्ण है। हमें अगले 5 वर्षों में 5 प्रतिशत वैश्विक हिस्सेदारी प्राप्त करने के लिए कम से कम 4 प्रतिशत की वृद्धि दर की आवश्यकता है। इसका भारतीय नवाचार पर उत्प्रेरक प्रभाव पड़ेगा।

एक अच्छी बात यह है कि भारत सरकार ने आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस मिशन के लिए 10372 करोड़ मंजूर किए हैं। यह धनराशि अगले पांच वर्षों के दौरान खर्च की जाएगी। सूचना और प्रौद्योगिकी मंत्रालय को उच्च प्रदर्शन वाले ग्राफिक प्रोसेसिंग यूनिट (जीपीयू) की खरीद सहित एआई के बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए केंद्रीय बजट 2024-25 में 551.75 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि मिशन के लिए आवंटित राशि का सदुपयोग भारत में एक मजबूत एआई कम्प्यूटिंग बुनियादी ढांचा निर्मित करने के लिए किया जाएगा। नीति आयोग के अनुसार, 2035 तक, एआई में भारत की अर्थव्यवस्था में 1 ट्रिलियन डॉलर जोड़ने की क्षमता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मिशन उन प्रयासों पर केंद्रित है, जो स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, कृषि, स्मार्ट शहरों और स्मार्ट मोबिलिटी और परिवहन सहित बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में सामाजिक जरूरतों को पूरा करने में भारत को लाभान्वित करेंगे।

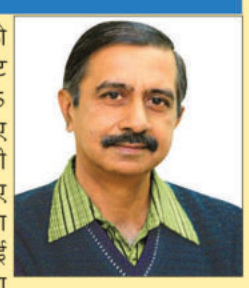

मुकुल व्यास

दरअसल, यह मिशन राष्ट्रीय स्तर पर कोर अनुसंधान क्षमता विकसित करने पर व्यापक शिक्षा-उद्योग बातचीत के साथ काम करेगा। जिसमें अंतर्राष्ट्रीय सहयोग भी शामिल होंगे। यह नए ज्ञान के निर्माण और अनुप्रयोगों को विकसित करने और तैनात करने के माध्यम से प्रौद्योगिकी सीमाओं को आगे बढ़ाने में मदद करेगा। सरकार का मुख्य जोर डेटा की गुणवत्ता को बढ़ाना और स्वदेशी एआई तकनीक को विकसित करने पर होना चाहिए। साथ ही शीर्ष प्रतिभाओं को आकर्षित करना और प्रभावशाली एआई स्टार्टअप को प्रोत्साहन देना भी आवश्यक होगा। इस दिशा में समग्र प्रयासों से ही भारत आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में दुनिया के तकनीकी रूप से उन्नत देशों को टक्कर दे पाएगा।

फेसबुक पर वीडियो जारी कर गैंगस्टर सुधाकर मराठा ने कहा था- रतलाम आ रहा हूं, पुलिस ने धर लिया

माही की गूंज, रतलाम।

लेनदेन के मामले में बालाजी होटल के संचालक जितेंद्र राठौड़ का अपहरण कर धमकाने के मामले में पुलिस ने गिरफ्तार किए गए गैंगस्टर सुधाकर राव मराठा को सोमवार शाम न्यायालय में पेश किया। पुलिस ने पूछताछ के लिए उसे पुलिस रिमांड पर सौंपने की मांग की। न्यायालय ने उसे 14 सितंबर तक पुलिस रिमांड पर रखने की आदेश दिए है।

रविवार को फेसबुक पर जारी वीडियो में सुधाकर मराठा ने रतलाम में तय कार्यक्रम में आने की बात कही थी।हाट रोड स्थित मंदिर पर आरती में मराठा के आने की संभावना थी। यहां पुलिस उसकी तलाश करती रही थी। इस बीच, मराठा ने रतलाम आने का दावा किया, तो पुलिस एक्शन में आ गई। बताया जाता है कि रात करीब 12 बजे रतलाम आते समय सालाखेड़ी पुलिस चौकी पर मराठा को पकड़ा गया।

जारी वीडियो में मराठा ने पुलिस की कार्रवाई को लेकर कहा था कि जब जितेंद्र राठौड़ बात करने आया, तब उनके साथ एक पूर्व पुलिसकर्मी भी था। राठौड़ पर लेनदेन के कई मामले चल रहे हैं। तीन दिन से मामला चल रहा था। मेरे घर पुलिस नहीं आई। मैं इंदौर में अपने तय कार्यक्रम में शामिल होता रहा। मुझे रोकने के लिए इस तरह के प्रयास किए जा रहे हैं। मराठा ने कट्टरपंथियों व कांग्रेस नेता का भी जिक्र किया।

यह है मामला

न्यू रोड स्थित होटल बालाजी व मिडवे ट्रीट के संचालक फरियादी जितेंद्र राठौड़ ने छह सितंबर को रिपोर्ट दर्ज कराई कि उन्होंने वर्ष 2014 में आरोपी चंदू शिवाना निवासी शास्त्री नगर से हुंडी ब्याज पर रुपये उधार लिए थे। उसके बदले 2019 तक 2 करोड़ रुपये ब्याज सहित चंदू शिवानी को वापस कर चुके हैं।

इसके बाद भी शिवाना ने डरा धमकाकर कोरे स्टाम्प पर हस्ताक्षर करवाकर 1.67 करोड़ रुपए की नगद लेनदेन की लिखापढ़ी से 6.96 करोड़ रुपए में होटल बालाजी खरीदने का फर्जी स्टाम्प तैयार कर लिया था।

यह मामला सिविल न्यायालय में चल रहा है। 26 अगस्त को घर के बाहर से आरोपित मनोज वर्मा व उसका साथी पाटिल ने आकर सुधाकर राव मराठा का हवाला देकर जबरन सुनील दुबे के घर लेकर गए थे। वहां गैगस्टर सुधाकर मराठा, सुनील दुबे, सीए रवि डफरिया व प्रॉपर्टी ब्रोकर चंदू शिवानी का पुत्र सन्नी शिवानी बैठे थे।

सुधाकर ने गाली-गलौच कर कहा था कि चंदू शिवानी, रवि डफरिया व सन्नी शिवानी से जो केस चल रहा है, उसे वापस ले लेना और सेटलमेंट के 25 लाख रुपये भिजवा देना। नहीं तो जान से खत्म कर दूंगा।

स्टेशन रोड थाने पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 127 (2), 119 (1), 140 (3), 296, 351 (2), 3 (5) में प्रकरण दर्ज कर आरोपित प्रापर्टी ब्रोकर चंदू शिवानी, सन्नी शिवानी, सीए रवि डफरिया, सुनील दुबे, मनोज वर्मा, नटवर उर्फ पाटिल को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया था।

तीन महीने से रतलाम में बढ़ी सक्रियता, पुलिस की थी नजर

सुधाकर मराठा पर हत्या, हत्या के प्रयास सहित कई आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। इंदौर के संदीप तेल हत्याकांड में भी मराठा आरोपित है। संदीप तेल मामले में जमानत पर बाहर आने के बाद गत तीन महीनों से मराठा की रतलाम में सक्रियता बढ़ गई थी। पुलिस उसकी गतिविधियों पर नजर रख रही थी।

जिले स्थित धमनार गुफाएं क्यों हैं खास?

माही की गूंज, मंदसौर।

मध्यप्रदेश हमारे देश के प्रमुख राज्यों में आता है। इस राज्य में तरह तरह के पर्यटक स्थल और जैव विविधतायें मौजूद हैं, जिसमें तरह तरह के किले, बावड़ियों, झरनों और नदी पहाड़ियों की भरमार है।

ऐसा ही मध्यप्रदेश जिले का एक राज्य है मंदसौर जिसमें शामगढ़ के समीप चन्दवासा स्थित कुछ गुफाएँ पायी गाई हैं जिन्हें हम सब धमनार बौद्ध गुफाओं के तौर पर जानते है। यह भारतीय स्थापत्य कला की अद्भुत उदाहरण है। इन गुफ़ाओं को देखने पर थेरवाद और महायान बुद्धीज्म का स्पष्टतौर पर प्रभाव दिखाई देता है। यह सभी गुफाये पहाड़ियों को काट कर बनाई गयी हैं। धमनार इन गुफ़ाओं के मामले में बहुत ही समृद्ध है। इस जगह पर लगभग 150 गुफाएं मिली हैं जिनमें से 51 गुफाओं का संरक्षण एएसआई के पास है।

धमनार गुफाओं का इतिहास

मंदसौर जिले में स्थित धमनार गुफाएं एक पहाड़ी पर स्थित हैं जिसे चंदन गिरी के नाम से भी जाना जाता है। ऐसा परट्रेट होता है कि इन गुफ़ाओं को तीसरी शताब्दी से लेकर 10 वी शताब्दी के मध्य में बनाया गया होगा। यह भी कहा जाता है कि पहले धमनार का प्राचीन नाम धम्मनगर था। इन गुफ़ाओं का कई जगहों पर एतिहासिक उल्लेख मिलता है। ओलीकर वंश के अभिलेखों में भी इन गुफ़ाओं का वर्णन है। इस जगह पर आकर आप इस गुफा से जुड़े तरह तरह की जानकारियों और रहस्यों को जान और समझ सकते हैं।

धमनार रॉक कट साइट

इस धमनार रॉक कट साइट में कुल 7 गुफायें हैं। इन गुफ़ाओं के इतिहास के अलावा इनके अंदर कई अन्य नक्काशीदार गुफाएं, स्तूप, मार्ग, चैत्य और आवास शामिल हैं। इस साइट में पूरी तरह से बौद्ध धर्म का प्रभाव दिखायी देता है। इस जगह पर निर्वाण मुद्रा में बैठे गौतम बुद्ध की बड़ी मूर्तियां शामिल हैं। 1500 साल पहले लोग बुद्ध धर्म के वैश्विक स्तर पर प्रचार-प्रसार के लिए व्यापारियों की मदद ली जाती थी। ऐसा कहा जाता है कि गुप्त काल में मंदसौर का धम्मनगर बौद्ध विहार बना था। यह कभी बौद्ध धर्म की शिक्षा-दीक्षा का एक बहुत बड़ा केंद्र हुआ करता था।

धमनार बौद्ध गुफा और शिलालेख

मंदसौर के सौंधनी में स्थित यशोधर्मन के विजय स्तम्भ का एक बहुत ही बड़ा महत्व है। यशोधर्मन् के मंदसौर से कई अभिलेख मिले हैं। इस जगह से प्राप्त उसके दो अभिलेखों में इस बात का भी जिक्र मिलता है कि उसका अधिकार उन प्रदेशों पर भी था जो गुप्त राजाओं अधिकार में नहीं थे। यह एक बहुत ही विस्तृत साम्राज्य था। इस साम्राज्य के विजय के संबंध में इन अभिलेखो में कोई उल्लेख नहीं मिलता है। धमनार के इन शिला लेखों का ऐतिहासिक और पुरातात्विक रूप से बहुत ही विशेष महत्व है।

बौद्ध काल और मालवा

बुद्ध के जीवनकाल से ही अवन्ति बौद्ध धर्म का एक महत्वपूर्ण केन्द्र रहा था। इस काल में बौद्ध धर्म का प्रचार प्रसार बहुत ही तेज़ी से हुआ। जिसमें सबसे महत्वपूर्ण भूमिका भिक्खु महाकच्छायन की थी। भिक्खु महाकच्छायन का जन्म उज्जयिनी में हुआ था। इनकी बौद्ध धर्म में काफ़ी रुचि थी और उस समय के समकालीन राजा प्रद्योत ने भी बुद्धीज्म को स्वीकार कर लिया था। जिसकी वजह से बौद्ध धर्म के विस्तार में सहायता मिली।

एसपी राहुल कुमार लोढा का ट्रांसफर, क्या गणेश चतुर्थी पर हुई घटना बनी वजह?

माही की गूंज, रतलाम।

मध्य प्रदेश के गृह विभाग ने तीन आईपीएस अधिकारियों के तबादले की सूची जारी की है। इनमें रतलाम और नरसिंहपुर एसपी बदल दिए गए हैं। रतलाम में गणेश स्थापना के दिन हुए उपद्रव के मामले में हिंदू संगठनों ने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाए गए थे। जिसके बाद अचानक रतलाम एसपी राहुल कुमार लोढा का तबादला कर दिया गया है। गृह विभाग के सचिव ओमप्रकाश श्रीवास्तव ने तीन आईपीएस अधिकारियों के तबादले की सूची जारी है।

रतलाम एसपी राहुल कुमार को पुलिस अधीक्षक रेल भोपाल बनाकर नई जिम्मेदारी सौंपी गई है. उनके स्थान पर साल 2016 बैच के अधिकारी अमित कुमार को पुलिस अधीक्षक नरसिंहपुर से पुलिस अधीक्षक रतलाम के रूप में पदस्थ किया गया है। इसी प्रकार पुलिस अधीक्षक रेल भोपाल मृगाखी डेका को पुलिस अधीक्षक नरसिंहपुर बनाकर नई जिम्मेदारी दी गई है। नरसिंहपुर एसपी के रूप में नई जिम्मेदारी संभालने वाली महिला आईपीएस अधिकारी साल 2018 बैच की अफसर है।

रतलाम में हुई घटना के बाद एक्शन...?

बता दें कि गणेश चतुर्थी के दिन जुलूस पर पत्थर फेंके गए थे। इस घटना के विरोध में आक्रोशित भीड़ ने थाने का घेराव किया था और हाथीखाना क्षेत्र में तोड़फोड़ की थी। इस दौरान पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। घटना के अगली सुबह एक युवक की संदिग्ध मौत हो गई थी। वहीं सांप्रदायिक तनाव जैसी स्थिति निर्मित होने पर पुलिस ने 2 मुकदमे दर्ज किए थे। पुलिस अधीक्षक राहुल कुमार ने गणेश प्रतिमा जुलूस में पथराव की शिकायत को जांच के दौरान गलत पाया। जबकि इस घटना को लेकर लोगों द्वारा की गई तोड़फोड़ और मारपीट के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया। बता दें कि गणेश प्रतिमा के जुलूस पर पथराव के मामले ने तूल पकड़ रखा है। पथराव करने वालों की बजाय शिकार्यकर्ताओं पर कार्रवाई के विरोध में हिंदू सर्व समाज ने मंगलवार को कलेक्टर को ज्ञापन भी दिया था और मामले में जांच की मांग की थी। इस ज्ञापन के करीब चार घंटे बाद रतलाम एसपी राहुल कुमार लोढा का तबादला कर दिया गया।

दो दिवसीय अंतः सेवाकालीन प्रशिक्षण का हुआ आयोजन

माही की गूंज, शाजापुर।

कृषि विज्ञान केन्द्र शाजापुर में गत दिनों ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों का दो दिवसीय अतः सेवाकालीन प्रशिक्षण आयोजित किया गया। जिसमें जिले के 30 ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में डॉ. जी.आर. अम्बावतिया, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख, केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. एस.एस. धाकड, डॉ. गायत्री वर्मा, डॉ. मुकेश सिंह, डॉ. डीके तिवारी, रत्नेश विश्वकर्मा, कृ. निकिता नंद, गंगाराम राठौर उपस्थित थे।

तकनीकी सत्र में डॉ. अम्बावतिया ने खरीफ में फसल विविधीकरण एवं औषधीय फसलें की उन्नत तकनीकी के साथ ही खरीफ फसलों के लिए आवश्यक जानकारी प्रदान की। डॉ. धाकड़ ने खरीफ मौसम में प्रयोग होने वाले उन्नत कृषि यंत्र, भूमि एवं जल संरक्षण के उपायों के बारे में जानकारी प्रदान की। डॉ. वर्मा ने मशरूम उत्पादन तकनीक, मोटे अनाज का महत्व एवं प्रसंस्करण पर प्रकाश डाला एवं अपने भोजन में इन्हें शामिल करने की सलाह दी। डॉ. तिवारी ने प्राकृतिक खेती के महत्व एवं उपयोगिता, खरीफ फसलों के प्रमुख किस्में, सोयाबीन उत्पादन तकनीक पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। श्री विश्वकर्मा द्वारा कृषि में सूचना तकनीकी का महत्व एवं प्रभाव के साथ, कृषकों के लिए उपयोगी विभिन्न एप एवं वेबसाइटों के साथ साइबर सुरक्षा विषय पर तकनीकी जानकारी प्रदान की गई।

कार्यक्रम के संयोजक डॉ. सिंह ने खरीफ फसलों एकीकृत कीट प्रबंधन के साथ खरीफ प्याज उत्पादन तकनीक की विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने कृषि विस्तार के विभिन्न सिद्धांतों की उपयोगिता, क्षेत्र में उपयोग करने एवं व्यावहारिक उपयोग की सलाह दी। कार्यक्रम के अन्त में डॉ. गायत्री वर्मा रावल द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया।

न कोई पहरेदार न कोई चोर जहां की रक्षा खुद कर रहे हैं गणेश

माही की गूंज, शाजापुर।

जिले में गणेश जी के कई प्रसिद्ध मंदिर हैं, लेकिन इनमें से एक मंदिर है जो अपनी विशिष्टता और ऐतिहासिक महत्व के कारण खासा चर्चित है। यह मंदिर इतना छोटा है कि इसकी ऊंचाई महज सवा हाथ के बराबर है, और यही इसे अन्य मंदिरों से अलग बनाता है।

सवा हाथ की ऊंचाई वाला अनोखा मंदिर

यह मंदिर इतना संकरा है कि इसमें कोई भक्त प्रवेश नहीं कर सकता। इसके आकार को देखकर शायद आप भी चौंक जाएं, लेकिन इसका छोटा आकार ही इसकी विशेषता है। गणेश जी इस मंदिर में सूक्ष्म रूप में विराजमान हैं, और भक्त बाहर से ही उनकी पूजा-अर्चना करते हैं। यह मंदिर 400 साल पुराना है और यहाँ पर पूजा करने की मान्यता सदियों पुरानी है।

पौराणिक मान्यता और ऐतिहासिक महत्व

स्थानीय दुकानदारों और निवासियों के अनुसार, यह मंदिर 400 साल पुराना है और यहाँ गणेश जी की पूजा की परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है। गणेश जी की उपस्थिति इस मंदिर में इतनी प्रभावशाली मानी जाती है कि यह मान्यता है कि मंदिर के दर्शन से लोगों के दुख-दर्द दूर हो जाते हैं और शहर की रक्षा होती है।

दर्शन की परंपरा

पहले जब सड़कें संकरी और सीधी थीं, तो भक्तों को गणेश जी के दर्शन आराम से हो जाते थे। लेकिन अब सड़कें बन जाने के कारण दर्शन करने में थोड़ी कठिनाई आ रही है। फिर भी, भक्तों का आस्था इस छोटे से मंदिर में अडिग है और वे दूर-दूर से गणेश जी की कृपा प्राप्त करने के लिए यहाँ आते हैं।

गणेश जी की विशेष कृपा

इस मंदिर की विशिष्टता और 400 साल पुरानी मान्यता के कारण, गणेश जी की पूजा इस मंदिर में विशेष महत्व रखती है। लोग मानते हैं कि यहाँ दर्शन करने से उन्हें मनोवांछित फल प्राप्त होता है और यह मंदिर शहर की रक्षा करने का काम भी करता है।

इस प्रकार, शाजापुर के इस सवा हाथ ऊंचे गणेश जी के मंदिर की कहानी केवल उसकी विशिष्टता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह नगरवासियों की आस्था और सांस्कृतिक धरोहर का भी प्रतीक है। गणेश जी की इस अनोखी उपस्थिति ने न केवल भक्तों को संजीवनी दी है, बल्कि शहर की रक्षा करने की परंपरा भी निभाई है।

श्री द्विमुखी चिंताहरण गणपति की अद्भुत प्रतिमा के दर्शन करने के लिए दूर-दूर से आते है भक्त

माही की गूंज, मंदसौर।

प्राचीन एवं ऐतिहासिक धार्मिक नगरी दशपुर की पहचान देश की एक मात्र अद्वितीय भव्य श्री द्विमुखी भगवान गणेशजी की प्रतिमा के कारण भी है। गणपति चौक जनकुपुरा स्थित यह दुर्लभ प्रतिमा पाषाणयुगीन है, सात फिट ऊँची गणपति की खड़ी मुद्रा वाली इस अप्रतिम नयनाभिराम प्रतिमा का स्वरुप अत्यंत ही सुंदर व कलात्मक है।

प्रतिमा का आगे का भाग पंचसुण्डी रुप में और पीछे का स्वरुप श्रेष्ठी (सेठ)की मुद्रा को प्रदर्शित करता है। मस्तक पर सेठ के समान पगड़ी व शरीर पर बण्डी पहनी आकृति है, आगे व पीछे दोनों मुखों के पूजा के विधान भी अलग-अलग है। इस अनोखी प्रतिमा के दर्शन के लिये दूर दूर से अनेको दर्शनार्थी आते हैं।

श्री द्विमुखी चिंताहरण गणपति के नाम से विख्यात इस प्रतिमा का ज्ञात इतिहास लगभग 95 वर्ष पुराना है। हालांकि प्रतिमा का प्रस्तर आभा मंडल प्राचीन शिल्प का उत्कृष्ट व सर्वोत्कृष्ट स्वरुप प्रदर्शित करता है, इस लिहाज से प्रतिमा का इतिहास अवार्चीन भी हो सकता है। प्रतिमा का प्राकटय स्थल नाहर सय्यद दरगाह की पहाड़ी पर स्थित तलाई है। बताया जाता है कि स्थानीय निवासी मूलचंद स्वर्णकार को स्वप्न में इस स्थान पर प्रतिमा के होने का आभास हुआ, यह कोई किवदंती नही वरन् स्पष्ट तथ्य है। स्वप्न की पुष्टि के लिये मूलचंद स्वर्णकार ने जब उस स्थान पर जाकर देखा तो पत्थरों में दबी यह स्वप्न दृष्ट प्रतिमा सामने प्रत्यक्ष दिखाई दी। मूलचंद स्वर्णकार को सवंत 1986 में आषाढ़ सुदी पंचमी दिनांक 22 जून 1929 को प्रतिमा को प्रतिष्ठापित करने का प्रेरणात्मक आदेश प्राप्त हुआ। उन्होंने आषाढ़ सुदी 10 विक्रम संवत 1986 को शास्त्रीय विधि विधान के साथ इस अद्वितीय प्रतिमा को पत्थरों के बीच से निकालकर धुमधाम से बैलगाड़ी में विराजित कर आगे बढ़ाया ।

बैलगाड़ी आगे नहीं बढ़ी और वह बनाया मंदिर

तत्कालीन समय के साथी व्यक्तियों के कथनानुसार द्विमुखी गणेशजी की इस प्रतिमा को नरसिंहपुरा क्षेत्र में किसी उचित स्थान पर प्रतिष्ठापित करने हेतु बैलगाड़ी से ले जाया जा रहा था। चूंकि उस समय नरसिंहपुरा जाने के लिये जनकुपुरा से मदारपुरा होकर जाना सुगम मार्ग था इसलिये बैलगाड़ी को जनकुपुरा से ले जाने का निश्चय किया गया। बैलगाड़ी जनकुपुरा में इस स्थान पर रुक गई जहां द्विमुखी चिंताहरण गणेशजी का मंदिर है। पहले इस स्थान को प्रचलित नाम इलाजी चौक के नाम से जाना जाता था जो अब गणपति चौक के नाम से प्रचलन में आ गया है। इसी मंदिर के कारण यह नाम प्रचलित हो गया चूंकि प्रतिमा को नरसिंहपुरा ले जाने का निश्चय किया गया था इसलिये बैलगाड़ी का आगे बढ़ाने का खूब प्रयास किया लेकिन लाख कोशिश के बादभी बैलगाड़ी एक इंच भी आगे नहीं बढ़ी। भगवान गणेशजीकी इच्छा को सर्वोपरि मानकर धमार्लुजनों द्वारा इसी स्थान पर दूसरे दिन यानि एकादशी को प्रतिमा की विधिपूर्वक स्थापना की गई तब से यह स्थान गणपति चौक के नाम से जाना जाता है।

अलग-अलग रूप व मुद्राएं प्रकट होती है

इस द्विमुखी प्रतिमा के दोनों और के मुख अलग-अलग रुप व भाव मयी मुद्राएं प्रकट करते है। आगे के मुख में पाँच सुण्ड है पीछे के मुख में एक सुण्ड व सिर पर पगड़ी धारण किया विशेष श्रृंगार है जो भगवान श्री गणेशजी को श्रेष्ठिधर सेठ के रुप में अभिव्यक्त करता है। कालांतर में जनकुपुरा क्षेत्र के महानुभावों की अगुवाई व नगरवासियों के सहयोग से मंदिर को व्यवस्थित व स्थानोंचित भव्य रुप दिया गया, वर्तमान में यह मंदिर नगर ही नही समूचे अंचल के धमार्लुजनों की आस्था का केन्द्र बन चुका है । प्रति बुधवार यहां सायंकाल महाआरती होती है। मंदिर में अन्य देवी देवता की प्रतिमाएं भी स्थापित है।

न्यूज ब्रीफ

2 व्यक्तियों को किया जिला बदर

माही की गूंज, बड़वानी।

जिला दंडाधिकारी बड़वानी डॉ. राहुल फटिंग ने पुलिस रिपोर्ट के आधार पर दो व्यक्तियों को मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम के तहत जिला बदर कर दिया है। जिला बदर की अवधि के दौरान ये व्यक्ति बड़वानी और इसके पड़ोसी जिलों धार, झाबुआ, अलिराजपुर, खरगोन, खंडवा, और बुरहानपुर की राजस्व सीमाओं में प्रवेश नहीं कर सकेंगे।जिला कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, नवलपुरा बड़वानी के निवासी लखन पिता तलकसिंग सिकलीगर को 3 माह के लिए और ग्राम सिदड़ी के पीयूष पिता रास्या उर्फ रायसिंह सैनानी को 4 माह के लिए जिला बदर किया गया है।

नवागत जिला पंचायत सीईओ ने किया पदभार ग्रहण

माही की गूंज, खंडवा।

सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश के तहत भारतीय प्रशासनिक सेवा के 2019 बैच के अधिकारी डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा ने बुधवार को जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के पद पर कार्यभार ग्रहण कर लिया। डॉ. गौड़ा इससे पूर्व हरदा जिले में अपर कलेक्टर के पद पर पदस्थ थे।

छात्र-छात्राओं की केरियर काउंसलिंग

माही की गूंज, धार।

जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि, बुधवार को शासकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक एक और दो में केरियर काउंसलिंग का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में चयनित मनोवैज्ञानिक और विषय विशेषज्ञों ने छात्रों को केरियर के विभिन्न विकल्पों के बारे में जानकारी दी।नेशनल केरियर सर्विस पोर्टल के पंजीयन की प्रक्रिया पर भी विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इस दौरान दोनों विद्यालयों के 121 छात्र-छात्राओं की केरियर काउंसलिंग की गई।

मेडिकल ऑफिसर को दिया प्रशिक्षण

माही की गूंज, खंडवा। जिले के मेडिकल ऑफिसर और नर्सिंग ऑफिसर को बुधवार को सिविल सर्जन कॉन्फ्रेंस हॉल में असंचारी रोगों पर प्रशिक्षण दिया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ओ.पी. जुगतावत ने बताया कि, राज्य के 5 जिलों में डायबिटीज और उच्च रक्तचाप के लिए पायलट प्रोजेक्ट स्पंदन के तहत खंडवा जिले को भी शामिल किया गया है। इस सिलसिले में उन्मुखीकरण प्रशिक्षण आयोजित किया गया। डॉ. जुगतावत ने निर्देश दिए कि, 30 वर्ष से अधिक उम्र के नागरिकों की डायबिटीज और उच्च रक्तचाप की जांच की जाए और संभावित कैंसर मरीजों की स्क्रीनिंग कर उन्हें उच्च स्वास्थ्य संस्थानों में रैफर किया जाए। डायबिटीज और उच्च रक्तचाप के मरीजों को उपस्वास्थ्य केंद्रों से रैफर कर उनकी जांच और उपचार सुनिश्चित करने की बात कही।नोडल अधिकारी डॉ. विशाल श्रीवास्तव ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से उच्च रक्तचाप और डायबिटीज के मरीजों का उपचार और काउंसलिंग के बारे में जानकारी दी।

बीजेपी का नया प्रयोगः हार के बाद दिल्ली में सक्रिय हुई स्मृति

नई दिल्ली, एजेंसी।

अमेठी में हार के बाद स्मृति ईरानी दिल्ली की सियासत में अचानक सक्रिय हो गई हैं, जिससे अटकलें तेज हो गई हैं कि बीजेपी दिल्ली में एक नया प्रयोग कर सकती है। दिल्ली में राष्ट्रपति शासन की मांग उठाते हुए बीजेपी विधायकों के बीच स्मृति ईरानी का बढ़ता सियासी प्रभाव पार्टी के लिए महत्वपूर्ण हो सकता है।

सूत्रों का कहना है कि, अगर स्मृति ईरानी को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के मुकाबले बीजेपी का चेहरा बनाया जाता है, तो इससे पार्टी को दिल्ली में मजबूत स्थिति मिल सकती है। हालांकि, इस निर्णय का अंतिम फैसला पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को करना होगा। वर्तमान में, स्मृति ईरानी दिल्ली के जिले स्तर की बैठकों में सक्रिय रूप से शामिल हो रही हैं, जो पार्टी की रणनीति का एक हिस्सा है।

बीजेपी ने पहले भी दिल्ली में सुषमा स्वराज और किरण बेदी जैसे बड़े नेताओं का प्रयोग किया है। आगामी विधानसभा चुनाव के लिए स्मृति ईरानी को एक संभावित उम्मीदवार के रूप में देखा जा रहा है। पिछले दो विधानसभा चुनावों में पार्टी का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा, और दिल्ली बीजेपी के लिए 2025 का चुनाव महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। पार्टी ने कई लोकसभा सीटों पर टिकट बदलकर पूर्व सांसदों को नई जिम्मेदारियाँ दी हैं, और अब नॉर्थ वेस्ट दिल्ली के सांसद योगेंद्र चांदोलिया के अनुसार, स्मृति ईरानी के कार्यक्रम दिल्ली के विभिन्न जिलों में आयोजित किए जा रहे हैं।

स्मृति ईरानी ने चांदनी चैक, शाहदरा, करोल बाग, नई दिल्ली, मयूर विहार और केशवपुरम जिलों में बीजेपी के सदस्यता अभियान को लेकर कार्यक्रम तय किए हैं। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर के कार्यकर्ता पार्टी की शक्ति का आधार हैं और नए सदस्यों के साथ पार्टी और भी मजबूत होगी। स्मृति ईरानी ने चांदनी चौक से पहले भी चुनाव लड़ा था और उनकी मौजूदा सक्रियता पार्टी के लिए एक नई दिशा को संकेत कर सकती है।

मुक्तिधाम काम फिर से हुआ शुरू

माही की गूंज, सारंगी।

स्थानिय सार्वजनिक मुक्ति धाम पर मुक्तिधाम समिति द्वारा फिर से बचे हुए कार्य का काम शूरू कर दिया है। इसके पहले जोर-जोर से मुक्ति धाम का कार्य हुआ था उसमें ग्राम के सभी दानदाताओं ने बढ़-चढ़कर दान दिया था। इस दान की राशि से मुक्ति धाम की चारों तरफ वॉल बाउंड्री गेट का निर्माण आदि कई कार्य हुए थे। कुछ कारण वश बीच में काम बंद हो गया था लेकिन समिति की जागरूकता के कारण फिर से काम चालू हो गया है। जिसमें दाह संस्कार की जगह 20 फीट सीमेंट कंक्रीट का काम, शव विश्राम की जगह को भी 2 फीट ऊंचा किया जा रहा है। मैन गेट पर दो गेट लगा दिए एवं दाह संस्कार के लिए दो ठिए बनाए जा रहे। जागरूक नागरिकों द्वारा पोधा रोपण भी किया जा रहा है। ग्राम के सभी नागरिकों से अनुरोध है मुक्ति धाम पर पौधे लगाकर धर्म लाभ लेवे।

मुक्ति धाम पर मांडव की इमली का पौधा राकेश बंबोरी, डॉ दीपक सहगल, कमलेश अग्रवाल ,सुनील अग्रवाल, भोलू बंबोरी शुभम बंबोरी द्वारा लगाया गया।

छात्र का साहसिक शिविर के लिए चयन

माही की गूंज, थांदला।

स्थानिय शासकीय महाविद्यालय के छात्र रवि पिता मानसिंह डामोर बीएससी द्वितीय वर्ष का राष्ट्रीय सेवा योजना के साहसिक शिविर के लिए चयन हुआ है। यह शिविर 13 सितंबर से 22 सितंबर तक अटल बिहारी वाजपेई माउंटेनियरिंग इंस्टिट्यूट पोंगडैम, हिमाचल प्रदेश में आयोजित होगा। शिविर के लिए देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के नेतृत्व में तीन सदस्यीय दल के चयन में उक्त स्वयंसेवक को चुना गया है। छात्र की इस उपलब्धि पर राष्ट्रीय सेवा योजना के जिला संगठन डॉ. बंशीलाल डावर, प्राचार्य डॉ. जीसी मेहता, प्रशासनिक अधिकारी डॉ पीटर डोडियार, प्रो. शिवराज सिंह मुवेल, डॉ. मीना मावी, प्रो.विजय मावी, प्रो. मनोहर सोलंकी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. छगन वसुनिया सहित महाविद्यालय के समस्त स्टाफ ने हर्ष व्यक्त किया।

मां रोग्या देवी गरबा समिति के अशीष कोठारी अध्यक्ष

माही की गूंज, खवासा।

उदयातिथि के आधार पर इस वर्ष शारदीय नवरात्रि 3 अक्टूबर गुरुवार से शुरू हो रही है, जो 12 अक्टूबर तक होकर दस दिनी गरबा महोत्सव रहेगा। सोमवार को बाजना मार्ग स्थित मां रोग्या देवी गरबा मित्र मंडल की एक बैठक रखी गई जिसमें इस वर्ष भी गरबा महोत्सव को धूमधाम से मनाने हेतु आयोजन की तमाम व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा की गई।

साथ ही आयोजन समिति ने सर्वानुमति से अशीष कोठारी को अध्यक्ष तथा यश परमार , जितेंद्र गेहलोत को उपाध्यक्ष व सचिव अतुल जैन को नियुक्त किया। नई कमेटी की नियुक्ति पर सभी समिति के सदस्यों ने बधाई दी। साथ ही गरबा महोत्सव को सफल बनाने हेतु तन, मन व धन से एकजुट व एकमत के साथ कार्य करने हेतु कमेटी ने अपील की।

धूमधाम से मनाया जा रहा है गणेश उत्सव

माही की गूंज, सारंगी।

ग्राम सहित सारंगी ग्रामीण क्षेत्र के आसपास के गांवो में 10 दिनी श्री गणेश उत्सव धूम-धाम और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। घरों और मंदिरों में गणेश भगवान की विधि-विधान के साथ पूजा अर्चना की जा रही है। ग्राम के विभिन्न जगह, चौराहा, शासकीय कार्यालय, के साथ ही अनेक संस्थान, दुकानों पर गणेश प्रतिमा स्थापित की गई उनका भव्य श्रृंगार कर प्रतिदिन मोदक सहित अन्य व्यंजनों का भोग लगाया जा रहा है। गणपति बप्पा का ध्यान करते हुए परिवार व क्षेत्र की खुशहाली के लिए कामना की जा रही है। शाम को श्री गणेश पंडालों में गणेश जी की आरती उतारने के बाद भजन-कीर्तन के साथ ही विभिन्न आयोजन हो रहे हैं।

डेंगू फैलने पर हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

जबलपुर।

मध्य प्रदेश हाई कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर करके आरोप लगाया गया है कि नगरीय निकायों की लापरवाही के चलते राज्य में डेंगू तेजी से फैल रहा है। इस मामले में कोर्ट ने स्वास्थ्य अधिकारियों को नोटिस जारी किया है। मामले की अगली सुनवाई 19 सितंबर को होगी।

मंगलवार को मामले की प्रारंभिक सुनवाई के बाद कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा व न्यायमूर्ति विनय सराफ की युगलपीठ ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव, नगर निगम आयुक्त भोपाल और जबलपुर को नोटिस जारी कर 10 दिन में जवाब मांगा है।

सरकारी और प्राइवेट अस्पताल मरीजों से भरे

जनहित याचिकाकर्ता जबलपुर निवासी विजय बजाज की ओर से अधिवक्ता आदित्य संघी ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि पूरे मध्य प्रदेश में डेंगू फैल रहा है और हर दिन अस्पतालों में मरीज बढ़ रहे हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि जबलपुर में 10 सितंबर को ही सरकारी और प्राइवेट मेडिकल अस्पताल खचाखच भरे हुए हैं।

इस बार डेंगू वायरस के मजबूत वेरिएंट के कारण मौतें बढ़ रही हैं। दलील दी गई कि नगर निगम व अन्य नगरीय निकायों द्वारा आवश्यक कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। प्रदेश में कहीं भी फॉगिंग मशीनों का सही उपयोग नहीं हो रहा है।

यदि उचित कीटनाशक के साथ फॉगिंग मशीनों का उपयोग किया जाए और स्वच्छता बनाए रखी जाए तो डेंगू वायरस को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। मध्य प्रदेश के नगर निगम में भ्रष्टाचार के कारण जनता त्रस्त है। इसके चलते हर दिन डेंगू से लोगों की मौत हो रही है, इसीलिए व्यापक जनहित में हाई कोर्ट की शरण ली गई है।

कलेक्टर ने अधिकारियों को दिये निर्देश

माही की गूंज, खरगोन।

कलेक्टर कर्मवीर शर्मा ने 10 सितंबर को अधिकारियों के साथ बैठक में समय सीमा संबंधित प्रकरणों की समीक्षा की और आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ, अपर कलेक्टर, और अन्य अधिकारी मौजूद थे, जबकि एसडीएम व अन्य अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुड़े।

सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा

कलेक्टर ने कहा कि, शिकायतों का त्वरित निपटारा सुनिश्चित किया जाए। जिन विभागों ने पिछले 7 दिनों में शिकायतों का समाधान नहीं किया, उन पर 1 हजार रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा।

17 सितंबर को जिला अस्पताल में जन औषधि केंद्र का शुभारंभ होगा, जहाँ सस्ती जेनरिक दवाइयाँ उपलब्ध होंगी। अस्पताल प्रबंधन में सुधार के निर्देश भी दिए गए।

अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि नदी-नालों पर बनी पुल-पुलियों की निगरानी करें और जर्जर भवनों को गिराने की कार्यवाही करें।

17 सितंबर से 02 अक्टूबर तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जाएगा। सफाई मित्रों के लिए स्वास्थ्य शिविर लगेंगे और साइकिल रैली व अन्य प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। फसलों की समस्याओं की जांच कर संबंधित बीज कंपनियों पर कार्रवाई का प्रस्ताव भेजा जाएगा। पिकअप वाहनों में जोखिम भरी यात्रा पर भी सख्त कदम उठाए जाएंगे।

कल्याणकारी राज्य में हमारा दायित्व है कि, जनता की समस्या का हो समाधान -कलेक्टर

माही की गूंज झाबुआ। प्राकृतिक आपदा से होने वाले नुकसान के तहत आरबीसी 6-4 के माध्यम से 31 अगस्त तक के समस्त प्रकरण को स्वीकृत किये गए है। इनमें प्राकृतिक आपदा के कारण अग्नि नुकसानी के 38, जनहानि के 38, पशुहानि के 2, सर्प दंश के 36, आकाशीय बिजली के 34 कुल 148 प्रकरणों में से 31 अगस्त 2024 तक के 142 प्रकरण स्वीकृत कर दिये गये है, शेष सितम्बर माह के प्रकरण जल्द ही स्वीकृत किये जायेंगे, इसी के साथ प्राकृतिक आपदा मे मकान क्षति के 452 प्रकरण स्वीकृत कर दिये गये है।कलेक्टर नेहा मीना ने बताया कि, कल्याणकारी राज्य में यह हमारा दायित्व है कि,जनता की समस्या का समाधान हो और प्राकृतिक आपदा के कारण हुए नुकसान से राहत दिलाई जा सके और कठिनाई की घड़ी में प्रशासन सदैव सहायता के लिए तत्पर रहे।

पुलिस भर्ती के लिए 10 दिवसीय प्रशिक्षण प्रारंभ

माही की गूंज, झाबुआ। पुलिस भर्ती के लिए 10 दिवसीय प्रशिक्षण कैप्सूल कोर्स का प्रारंभ कलेक्टर नेहा मीना ने किया। कार्यक्रम में कलेक्टर ने पीएम श्री एक्सीलेंस कॉलेज के रनिंग ट्रेक पर हरी झण्डी दिखाकर कैप्सूल कोर्स का औपचारिक शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में उदय बिलवाल ने जानकारी दी कि, जिले से 154 अभ्यर्थियों का चयन फिजिकल टेस्ट के लिए हुआ है, जिनके द्वारा इस कैप्सूल कोर्स में भाग लिया जा रहा है। कलेक्टर ने समस्त चयनित अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं दी और कहा कि, आने वाले 10 दिन आपके जीवन के महत्वपूर्ण दिन है इस समय धैर्य बनाये रखें, फिजिकलटेस्ट के लिए मेहनत करने के बाद पूरी तरह से शरीर को आराम दे, पोषण एवं डाइट पर ध्यान दे।

हॉस्टल और स्कूलों में जल परीक्षण व स्वच्छता अभियान चलाया

माही की गूंज, खरगोन।

स्वच्छता पखवाड़ा और जन जल जागरूकता अभियान के तहत लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) विभाग ने हॉस्टल, आश्रम और स्कूलों में जल परीक्षण एवं स्वच्छता अभियान का आयोजन किया। यह अभियान जिला मुख्यालय स्थित कन्या शिक्षा परिसर और उत्कृष्ट स्कूल परिसर के जनजातीय कार्य विभाग द्वारा संचालित हॉस्टल में आयोजित किया गया, जहाँ जल परीक्षण किट और एच 2एस वायल के माध्यम से जीवाणु परीक्षण कर विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया गया। उन्हें जलजनित रोगों से बचाव के उपाय भी बताए गए।विद्यार्थियों ने जल परीक्षण किट की मदद से अपने उपयोग में आने वाले जल की शुद्धता का परीक्षण स्वयं किया, जिसमें एफटीके द्वारा पेयजल को शुद्ध पाया गया।इस दौरान लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के विकासखंड समन्वयक ने पेयजल की उपलब्धता और शुद्धिकरण प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा की। विभाग के रसायनज्ञ ने जल के विभिन्न पैरामीटर की जांच कर विद्यार्थियों और हॉस्टल अधीक्षक को प्रशिक्षित किया। विद्यार्थियों ने इस दौरान बताया कि जल परीक्षण उनके दैनिक जीवन से जुड़ा है, और उन्होंने संकल्प लिया कि वे नियमित रूप से जल परीक्षण कर उसका रिकॉर्ड संधारित करेंगे।स्वच्छता ही सेवा अभियान की शुरुआत के साथ पीएचई विभाग इस अभियान को आगे भी जारी रखेगा। यह अभियान ग्रामीण क्षेत्रों के आश्रम, छात्रावास और स्कूलों में निरंतर चलाया जाएगा, जिससे अधिक से अधिक लोगों को स्वच्छ जल और स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा सके।

लोक अदालतः अधिवक्ताओं के साथ बैठक

माही की गूंज, बड़वानी।

14 सितंबर 2024 को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के संदर्भ में अधिवक्ताओं के साथ एक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बड़वानी के अध्यक्ष और प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश महेंद्र कुमार जैन ने की। बैठक में लोक अदालत प्रभारी अधिकारी रईस खान, जिला न्यायाधीश और सचिव मानवेन्द्र पवार, प्रथम जिला न्यायाधीश संध्या मनोज श्रीवास्तव, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सीता कन्नौज, प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट विनय जैन, पूजा विजयवर्गीय जैन, जिला विधिक सहायता अधिकारी दिलीप सिंह मुजाल्दा, और जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष पुरुषोतम मुकाती, सचिव नदीम शेख शामिल हुए। बैठक में महेंद्र कुमार जैन ने नेशनल लोक अदालत की सफलता के लिए धारा 138 और परक्राम्य लिखत अधिनियम के प्रकरणों और शमनीय योग्य मामलों को आपसी सहमति के आधार पर निराकरण करने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि इससे पक्षकारों के बीच मधुर संबंध बने रहते हैं, क्योंकि राजीनामे में न हार होती है न जीत। उभयपक्ष का निर्णय अंतिम होता है और इसके लिए कोई अपील नहीं होती, जिससे लंबित प्रकरणों की पेंडेंसी भी कम होती है।

रईस खान ने अपील की कि अधिवक्ता अपने राजीनामा योग्य लंबित प्रकरणों को नेशनल लोक अदालत के माध्यम से आपसी समझौते के आधार पर हल करें। उन्होंने बताया कि समझौते से कोर्ट फीस की वापसी और विद्युत, नगर पालिका निगम के जलकर, और संपत्ति कर के प्रकरणों में छूट का लाभ उठाया जा सकता है।

भस्मारती की नई व्यवस्था, दर्शनार्थियों को अब हाथ में बांधना होगा रेडियो फ्रीक्वेंसी बैंड

माही की गूंज, उज्जैन।

विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में सुबह चार बजे होने वाली बाबा महाकाल की भस्म आरती को देखने के लिए हर कोई लालायित रहता है। लेकिन श्री महाकालेश्वर प्रबंध समिति के नियमों के तहत प्रतिदिन 1,600 श्रद्धालु ही बाबा महाकाल की इस आरती में शामिल हो पाते हैं।

भस्म आरती को देखने के लिए ऑफलाइन और ऑनलाइन के साथ ही प्रोटोकॉल के तहत परमिशन दी जाती है। लेकिन इस व्यवस्था के बावजूद भी कई श्रद्धालु धोखेबाजों का शिकार होते हैं।

भस्म आरती देखने के लिए प्रति व्यक्ति एक, दो नहीं, बल्कि 10,000 तक शुल्क चुकाते हैं। इसी प्रकार की ठगी को रोकने के लिए आने वाले दिनों में श्री महाकालेश्वर प्रबंध समिति प्रयोग के तौर पर एक नई व्यवस्था लागू करने वाली है, जिसके तहत अब बाबा महाकाल की भस्म आरती देखने जाने वाले श्रद्धालुओं की कलाई पर रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन बैंड बांधा जाएगा, जिससे ऐसे श्रद्धालुओं की पहचान आसानी से की जा सकेगी। जो कि बिना परमिशन के भस्म आरती में शामिल हुए हैं।

बता दें कि इस नई व्यवस्था की जानकारी देते हुए श्री महाकालेश्वर प्रबंध समिति के प्रशासक गणेश धाकड़ ने जानकारी देते हुए बताया कि भस्म आरती के नाम पर हो रही ठगी पर रोक लगाने के लिए नई व्यवस्था लागू की जाने वाली है, जिसके तहत अब बाबा महाकाल की भस्म आरती देखने पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को मुख्य द्वार से परमिशन दिखाकर जैसे ही एंट्री मिलेगी। वैसे ही उनके हाथों पर रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन बैंड बांध दिया जाएगा। इस बैंड के बंधने से श्रद्धालुओं को बार-बार परमिशन चेक नहीं करवाना पड़ेगी। श्रद्धालुओं को यह बैंड हाथों में तब तक बांधे रखना होगा, जब तक की भस्म आरती पूर्ण न हो जाए।

फ्लैप बैरियर से अटैच होंगे बैंड

बताया जाता है कि नई दर्शन व्यवस्था के तहत जहां भस्म आरती में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं के हाथों में जहां बैंड बांधा जाएगा। वहीं, यह बैंड फ्लिप बैरियर से भी अटैच रहेगा। श्रद्धालु जैसे ही हाथों में बंधे इस बैंड को बैरियर पर लगे स्कैनर से स्कैन करेंगे, वैसे ही यह गेट खुल जाएगा। याद रहे की ऐसी व्यवस्था वर्तमान में मेट्रो स्टेशन व एयरपोर्ट पर है।

लगातार बढ़ रही थी भस्म आरती के नाम पर ठगी

याद रहे की भस्म आरती के नाम पर लगातार धोखेबाज बाबा महाकाल के भोले वाले भक्तों को ठग रहे हैं। इसको लेकर पिछले काफी समय से इस प्रकार की नई व्यवस्था लागू करने की तैयारी की जा रही थी। बताया जा रहा है कि इस नई व्यवस्था से भस्म आरती के नाम पर होने वाली ठगी की घटनाओं में कमी आएगी।

लेडी कॉन्स्टेबल ने कार से मारी टक्कर, फिर बॉयफ्रेंड संग थाने में किया सरेंडर

माही की गूंज, राजगढ़ (ब्यावरा)

राजगढ़ पुलिस लाइन में पदस्थ एसआई की मौत के मामले में एक महिला कांस्टेबल और उसके प्रेमी के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। प्रेम त्रिकोण के चलते एसआई की कार से टक्कर मारकर हत्या कर दी गई थी।

थाना ब्यावरा पुलिस के मुताबिक, मंगलवार की दोपहर का यह मामला है। पचोर पुलिस थाने में पदस्थ महिला कांस्टेब पल्लवी सोलंकी ने अपने बॉयफ्रेंड करण ठाकुर से कॉल करवाकर सब-इंस्पेक्टर दीपांकर गौतम को मिलने बुलाया था।

इस पर दीपांकर को शक हो गया कि उनके साथ कुछ अनहोनी हो सकती है तो उन्होंने अपने साथी सुभाष को फोन पर बुलाया। इससे पहले जब एसआई दीपांकर अपनीबाइक से ब्यावरा देवास हाइवे पर फुंदा मार्केट के पास जा रहे थे, उसी दौरान पीछे से कार ने टक्कर मार दी।

आसपास के लोगों का कहना है कि टक्कर इतनी जोरदार थी कि उछलकर एसआई कार की बोनट के सामने जा गिरे। इसके बाद फिर दोबार कार ने उनको टक्कर मारी। इतना ही नहीं, कार में बैठी पल्लवी सोलंकी और उसके बॉयफ्रेंड करण ठाकुर घायल एसआई दीपांकर को कुछ दूरी तक वाहन से घसीटते भी रहे। गंभीर रूप से घायल दीपांकर को मौके पर पहुंचे साथी अस्पताल ले गए, लेकिन तब तक उन्होंने दम तोड़ दिया।

इधर, वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी महिला कांस्टेबल अपने बॉयफ्रेंड संग पुलिस थाने पहुंची और बोली कि हमने एसआई को मार दिया है। यह सुनकर देहात पुलिस हरकत में आई।

लंबे समय तक पूछताछ के बाद देहात पुलिस ने एसआई दीपांकर गौतम की हत्या के मामले में आरोपी करण सिंह और पल्लवी सोलंकी को बीएनएस की धारा 103, (1) 3 (5) में के तहत केस दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। घटना के बाद जिला पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने भी घटना को संज्ञान में लेकर महिला कांस्टेबल से पूछताछ भी की। फिर देर रात में आरोपियों पर केस दर्ज किया गया।

सीएम राइज स्कूल के 11वीं क्लास के छात्र ने होस्टल की चौथी मंजिल से कूदकर दी जान

माही की गूंज, धार।

जिले के गंधवानी नगर के मॉडल स्कूल में पढ़ाई कर रहे एक छात्र ने बिल्डिंग की छत से कूद कर अपनी जान दे दी। छात्रावास में पड़ रहे अन्य छात्र भयभीत हैं। घटना रविवार शाम 5 बजे की है। एक लठय छात्रावास में रह रहे योगेश पुत्र कालू उम्र17 वर्ष निवासी ग्राम मल्हेरा 11 वीं कक्षा की पढ़ाई कर रहा था। संडे की शाम को बिल्डिंग की चौथी मंजिल पर चढ़ा ओर वहां से नीचे छलांग लगा दी। जहां नीचे फर्श पर गिरते ही छात्र ने दम तोड़ दिया। मृतक के पिता कालू सिंह खेती किसानी करते हैं। प्राथमिक रूप से छात्रों ने बताया योगेश मोबाइल ज्यादा चलाता था। उसी के चलते उसके परिजन उसको डांटते रहते थे। फिलहाल मौत का कारण पता नहीं चल पाया है। पुलिस घटना स्थल पर पहुंच गई। जहां पूछताछ कर रही है।

सीएम राइज स्कूल गंधवानी के कक्षा 11 वीं के छात्र द्वारा रविवार शाम की गई आत्महत्या के संबंध में कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने एसडीएम मनावर और सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग की जांच कमेटी बनाई है। कमेटी की रिपोर्ट उपरांत उल्लेखित तथ्यों के आधार पर कार्यवाही की जाएगी।

सोयाबीन का भाव 6 हज़ार मिलने तक जारी रहेगा किसानों का आंदोलन

भोपाल।

संयुक्त किसान मोर्चा मध्य प्रदेश द्वारा सोयाबीन के भाव को लेकर प्रदेश में आंदोलन जारी है। संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार संयुक्त किसान मोर्चा और किसानों की पहले दिन से स्पष्ट मांग है कि सोयाबीन की न्यूनतम भाव 6 हज़ार रु प्रति क्विंटल पर खरीदी सुनिश्चित की जाए। इससे कम भाव हमें स्वीकार नहीं है। किसानों का आंदोलन जारी रहेगा। 13 सितंबर को हरदा जिले में बड़ी किसान रैली होगी, जिसमें प्रदेश भर के किसान नेता जुटेंगे।

संयुक्त किसान मोर्चा मध्यप्रदेश के मीडिया प्रभारी रंजीत किसानवंशी ने बताया कि मध्य प्रदेश का किसान सोयाबीन के उचित भाव को लेकर आंदोलनरत है। केंद्र सरकार तेलंगाना ,कर्नाटक और महाराष्ट्र में पहले ही एमएसपी पर सोयाबीन खरीदी के आदेश दे चुकी है। अब मध्यप्रदेश में भी एमएसपी पर सोयाबीन की खरीदी की अनुमति का प्रस्ताव भेजा है । लेकिन सरकार ने कोई अतिरिक्त कदम नहीं उठाया है। मध्य प्रदेश के किसान की पहले दिन से स्पष्ट मांग है कि सोयाबीन का न्यूनतम भाव 6 हज़ार रु प्रति क्विंटल हमें मिलना चाहिए। सोयाबीन का समर्थन मूल्य 4892 रुपए / क्विंटल है, जिस पर खरीदी होने पर भी किसानों को घाटा होगा। इसलिए हमने एमएसपी पर खरीदी की मांग न करते हुए 6 हज़ार प्रति क्विंटल की मांग की थी। सीएसीपी के जो लोग दिल्ली में बैठकर एमएसपी की गणना करते हैं, उनके पास सही आंकड़े उपलब्ध नहीं है। संयुक्त किसान मोर्चा के सदस्य सरकार के समक्ष आंकड़ों के साथ चर्चा करने को तैयार हैं। सरकार खुद अपने सोयाबीन उत्पादक फॉर्म से आंकड़े निकलवा सकती हैं। वर्तमान एमएसपी पर खरीदी होने पर भी किसानों को घाटा होगा। संयुक्त किसान मोर्चा के सभी किसान नेताओं ने एक आभासी बैठक में सोयाबीन फसल का भाव 6 हज़ार प्रति क्विंटल मिलने तक इस लड़ाई को जारी रखने की प्रतिबद्धता दिखाई है।

संयुक्त किसान मोर्चा के अनुसार किसानों ने प्रथम चरण में 7 हज़ार से अधिक ग्राम पंचायत में मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया, फिर तहसील स्तर व जिला पर ट्रैक्टर रैली निकाली, जिसमें हजारों की संख्या में किसान एकत्रित हो हुए। किसानों की इस लामबंदी से हरकत में आई सरकार ने आनन फानन में केंद्र सरकार को एमएसपी पर खरीदी के लिए प्रस्ताव भेज दिया। बता दें कि केंद्र सरकार ने मप्र में सोयाबीन की खरीदी एमएसपी पर करने की अनुमति आज दे दी है।

शिव' के एक और फैसले पर 'मोहन' की तलवार

प्रदेश के नए नेतृत्व में लगातार पिछले मुखिया के फैसलों और व्यवस्थाओं में बदलाव किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में एक और अहम फैसला लिया गया है। इस फैसले में निगम-मंडलों के लिए वर्ष 2023 के दौरान तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा लिए गए निर्णय को बदला गया है।

जिसके तहत अब निगम-मंडलों के अध्यक्ष मंत्री होंगे। पूर्व व्यवस्था में वर्ष 2023 में निगम-मंडलों के अध्यक्षों को हटाया गया था। इस दौरान विभाग के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव को इन निगम-मंडलों का प्रभार सौंपा गया था। तब से अब तक यही व्यवस्था जारी है।

इसलिए हुआ बदलाव

सूत्रों का कहना है कि निगम-मंडलों में जारी व्यवस्था के चलते मंत्रियों और आईएएस अधिकारियों के बीच विवादों के हालात बन रहे हैं। जहां विभागीय मंत्री अपने हिसाब से निगम-मंडलों का संचालन करना चाहते हैं। वहीं पदों पर आसीन अधिकारी इन्हें अपने तरीके से संचालित करने की मंशा रखते हैं। इस खींचतान की शिकायतें सीएम डॉ मोहन यादव तक भी पहुंची थीं। जिसके बाद उन्होंने पुरानी व्यवस्था को बदलकर नया फैसला लागू कर दिया है। हालांकि, इस व्यवस्था को आईएएस लॉबी अपने अधिकारों और वर्चस्व में कटौती के रूप में देख रहा है।

खाली पड़े हैं निगम-मंडल

जानकारी के मुताबिक प्रदेश के अधिकांश निगम-मंडल प्रदेश की पिछली शिवराज सिंह सरकार के दौर से ही खाली पड़े हैं। बार बार इन पर नियुक्ति की चर्चाएं होती हैं, लेकिन कभी चुनाव के नाम पर तो कभी सदस्यता अभियान और कभी किसी और कारण से यह नियुक्ति लगातार टलती जा रही हैं। खाली पड़े निगम-मंडलों में कई संवैधानिक व्यवस्था वाले आयोग हैं तो कई जन सुविधा से जुड़े मंडल भी शामिल हैं।

आंगनवाड़ी केन्द्रों पर किया गया मंगल दिवस का आयोजन

माही की गूंज, अलीराजपुर।

संयुक्त कलेक्टर एवं महिला बाल विकास अधिकारी सुश्री प्रियांशी भंवर ने बताया कि, कलेक्टर डॉ. अभय अरविंद बेडेकर के निर्देशानुसार जिले की समस्त आंगनवाड़ी केंद्रों पर पोषण माह के तहत कार्यक्रम आयोजित कर ग्रामीण महिलाओं को सम्पूर्ण पोषण के संबंध में जानकारी दी जा रही है। परियोजना चंद्रशेखर आजाद नगर के सेक्टर अमनकुआ एवं बरझर में पोषण माह अंतर्गत मंगल दिवस का आयोजन विभिन्न आंगनवाड़ी केन्द्रों पर किया गया जिसमें गर्भवती महिलाओं को श्रीफल, सुहाग का सामान आदि देकर गोद भराई की गई एवं टीएचआर पैकेट, स्वास्थ्य एवं पोषण परामर्श भी गर्भवती महिलाओं को दिये गए।

लुटेरी दुल्हन गैंग का पर्दाफाश

इंदौर।

मध्य प्रदेश की इंदौर पुलिस ने लुटेरी दुल्हन गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने तीन महिलाओं समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है। चारों इंदौर के रहने वाले हैं। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि जांच के दौरान ऐसे और मामले सामने आने की उम्मीद है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस के मुताबिक, फर्जी शादी कर पुरुषों को लूटने के आरोप में मंगलवार को तीन महिलाओं समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों की पहचान दुल्हन वर्षा (27), रेखा शर्मा (40), सुनीता उर्फ बसंती (45) और विजय कटारिया (55) के रूप में हुई है।

इंदौर के रहने वाले हैं चारों आरोपी

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राजेश दंडोतिया ने बताया कि चारों आरोपी इंदौर के रहने वाले हैं। आरोपियों ने कथित तौर पर वर्षा की शादी दो पुरुषों से करवाई थी, जिनमें से एक महाराष्ट्र और दूसरा राजस्थान का रहने वाला था। हर बार वह दूल्हे से गहने और नकदी चुराकर गायब हो जाती थी। दोनों पुरुषों से उसका परिचय झूठे नामों से हुआ था।

ऐसे और मामले सामने आने की उम्मीद

दरअसल, वर्षा दुल्हन बनकर मिलती थी। इसके अलावा रेखा शर्मा, सुनीता उर्फ ??बसंती और विजय कटारिया उससे परिवार के सदस्य बनकर मिलते थे। इसके बाद वर्षा की शादी करा दी जाती थी। फिर वे सभी दूल्हे से गहने और नकदी चुराकर गायब हो जाते थे। अधिकारी ने कहा कि जांच के दौरान ऐसे और मामले सामने आने की उम्मीद है।

भगवान राम ने किया था चिंतामण गणेश का पूजन, दिव्य स्वरूप में होते है दर्शन

माही की गूंज, उज्जैन।

इन दिनों देशभर में गणेश उत्सव का पावन पर्व बड़े ही भक्ति भाव के साथ मनाया जा रहा है। प्रदेश के सभी गणेश मंदिरों में पूजन अर्चन का सिलसिला जारी है, तो वहीं मध्य प्रदेश की धार्मिक नगरी उज्जैन में गणेश उत्सव के पावन पर्व का हर्षोल्लास देखने मिल रहा है, जहां शहर के अति प्राचीन चिंतामन गणेश मंदिर में भक्तों की बड़ी संख्या भगवान गणेश का पूजन अर्चन करने के लिए पहुंच रही है।

धार्मिक नगरी उज्जैन स्थित भगवान चिंतामन गणेश का यह मंदिर अति प्राचीन है, जहां इतिहास में भी इस मंदिर का उल्लेख है। मंदिर से जुड़ी कई मान्यताएं आज भी प्रचलित है।

भगवान राम ने किया था पूजन

भगवान चिंतामन गणेश का यह मंदिर अति प्राचीन है, जो धार्मिक नगरी उज्जैन में स्थित है। इस मंदिर से जुड़ी कई मान्यताएं आज भी प्रचलित हैं। वहीं जानकारों की मानें तो यह मंदिर अति प्राचीन है। मंदिर के पुजारियों ने कहा कि, मंदिर में विराजमान भगवान गणेश की पूजा, वनवास के दौरान भगवान राम, मां सीता, और लक्ष्मण कर चुके हैं। ऐसा बताया जाता है कि, मंदिर के पास स्थित बावड़ी को भगवान लक्ष्मण ने अपने बाण से अवतरित किया था। वहीं भगवान राम ने चिंतामन गणेश, भगवान लक्ष्मण ने इच्छा मन गणेश, और मां सीता ने सिद्धिविनायक गणेश का पूजन अर्चन किया था।

भक्तों को होते हैं दिव्य दर्शन

धार्मिक नगरी उज्जैन स्थित भगवान चिंतामन गणेश का यह मंदिर काफी प्राचीन है, जो मंदिर आने वाले भक्तों को सनातन परंपरा से परिचित कराता है। इस मंदिर में भगवान गणेश की तीन स्वरूपों में पूजा होती है, जिनमें भगवान गणेश यहां चिंतामण, इच्छामन, और सिद्धिविनायक रूप में विराजमान हैं। यह मंदिर देश का एकमात्र ऐसा मंदिर है, जहां 3 स्वरूपों में भगवान गणेश की पूजा-अर्चना होती है। यही कारण है कि, यह मंदिर देश भर में भगवान गणेश के सिद्ध मंदिरों में अपना स्थान रखता है।

मनोकामना होती है पूरी

भगवान चिंतामन गणेश का यह मंदिर अत्यधिक प्राचीन और चमत्कारिक होने के कारण यहां दूर-दूर से श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। ऐसी मान्यता है कि, मंदिर में भगवान चिंतामन गणेश के दर्शन करने से भक्तों की हर मनोकामना पूरी होती है। इतना ही नहीं इस मंदिर में उल्टा स्वास्तिक बनाने की परंपरा है। वहीं मंदिर में श्रद्धालु संतान होने के बाद अपनी संतान का वजन करवा कर उन्हें लड्डुओं में तोलते हैं, और फिर इन्हीं लड्डुओं का भोग लगाकर प्रसाद बांटा जाता है।

ये कैसा शिक्षक... और शिक्षक दिवस

माही की गूंज, झाबुआ। मुज्जमील मंसुरी

भारतीय संस्कृति में गुरु और शिष्य की परंपरा आदिकाल से चली आ रही है। कालांतर में गुरु शिक्षक हो गए और शिष्य शिक्षार्थी हो गए। लेकिन आज भी गुरु या शिक्षक को समाज में सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है। यह वह देश है जहां एकलव्य जैसे शिष्य ने गुरु द्वारा ठुकराए जाने के बावजूद गुरु की प्रतिमा बनाकर धनुष विद्या ग्रहण की और गुरु दक्षिणा के रूप में अपना अंगूठा देने में संकोच नहीं किया।

गुरु के सम्मान में प्रतिवर्ष 5 सितम्बर को देश के पूर्व राष्ट्रपति डॉक्टर राधाकृष्णन की जयंती पर शिक्षक दिवस मनाया जाता है। लेकिन रतलाम जिले में शिक्षक दिवस के दिन ही शिक्षक की मर्यादा को तार-तार करने वाला वीडियो वायरल हुआ जिसके बाद हड़कंप मचा और संबंधित शिक्षक को निलंबित कर उस पर प्राथमिकी दर्ज करने की कार्यवाही प्रचलन में है।

मामला रतलाम जिला मुख्यालय से लगभग 40 किलोमीटर दूर स्थित गांव सेमलखेड़ी का है जहां के प्राथमिक स्कूल में पदस्थ शिक्षक वीरसिंह मईडा का है। जिनका एक वीडियो 5 सितंबर शिक्षक दिवस के दिन वायरल हुआ। जिसमें वे शराब के नशे में धुत होकर स्कूल में पढ़ने वाली एक छात्रा के कैची लेकर बाल काटते हुए नजर आ रहे हैं। यही नहीं वे गंदी गालियो के साथ शाला में ही अपशब्दों का प्रयोग करते हुए वीडियो बनाने वाले के साथ ही पूरी प्रशासनिक व्यवस्था को चुनौती देते नजर आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि, यह वीडियो एक दिन पूर्व यानी 4 सितंबर का है। इस तरह का यह पहला मामला नहीं है आए दिन छात्र-छात्रा और शिक्षकों के बीच अभद्रता के वीडियो वायरल होते रहते हैं और प्रशासन कार्यवाही के नाम पर संबंधित को निलंबित कर अन्य जगह अटैच कर देता है और कुछ समय बाद संबंधित व्यक्ति पुनः बहाल होकर नौकरी करने लग जाता है। एक वीडियो कुछ दिनों पूर्व खवासा क्षेत्र की प्राथमिक स्कूल का भी वायरल हुआ था, जिसमें शिक्षक शाला समय में शराब के नशे में गहरी निंद्रा में सोए हुए थे और ग्रामीण ने उनका वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। जिसके बाद तत्काल प्रशासन हरकत में आया और संबंधित शिक्षक को निलंबित कर दिया। शिक्षक द्वारा शराब पीकर शिक्षा के मंदिर में प्रवेश करना किसी भी दृष्टि से सही नहीं कहा जा सकता है। जिस मंदिर में बैठकर देश का भविष्य शिक्षा ग्रहण करता है उसे इस प्रकार दूषित किया जाना गलत है। शासन और प्रशासन को चाहिए कि, वो इनके लिए कड़े नियम बनाएं तथा उल्लंघन होने पर कड़ी सजा का भी प्रावधान किया जाना चाहिए। शिक्षक और शिक्षार्थी के बीच एक पवित्र रिश्ता होता है भारतीय संस्कृति में तो गुरु को गोविंद के समान कहा गया है। अतः शिक्षकों को भी चाहिए कि, वो ऐसा कोई कार्य न करें जिससे शिक्षकीय मर्यादा तार-तार हो। शिक्षक और विद्यार्थी के बीच की पवित्रता बनी रहे और विद्यार्थी शिक्षक के मार्गदर्शन में नई मंजिलें प्राप्त करें यही हर शिक्षक का उद्देश्य होना चाहिए। तथा इस पेशे से जुड़े लोगों को चाहिए कि, वे इस पद की गरिमा को बनाए रखें तथा ऐसा कोई कार्य न करें जिससे यह पवित्र पैसा कलंकित हो। वर्तमान सोशल मीडिया के दौर में अन्य त्योहारो के साथ ही शिक्षक दिवस के मजाक उड़ाने वाले भी कई रील्स वायरल हो रहे हैं जो की सही नहीं है, रील्स का बनाने का उद्देश्य शिक्षा देना होना चाहिए उपहास उड़ाना नहीं।

हास-परिहास के लिए अन्य कई विषय है, शिक्षक और शिक्षा को इससे नहीं जोड़ा जाना चाहिए। सरकार को चाहिए कि, वो सोशल मीडिया पर भी लगाम लगाए और अनावश्यक तथा तर्कहीन मीम्स व रील्स पर प्रतिबंध लगाएं। शिक्षा को केवल शिक्षा ही रहने दिया जाए। क्योंकि स्कूल के क्लास रूम में बच्चा जो बातें सिखता है या ग्रहण करता है वो अन्य किसी जगह नहीं सीख सकता है।

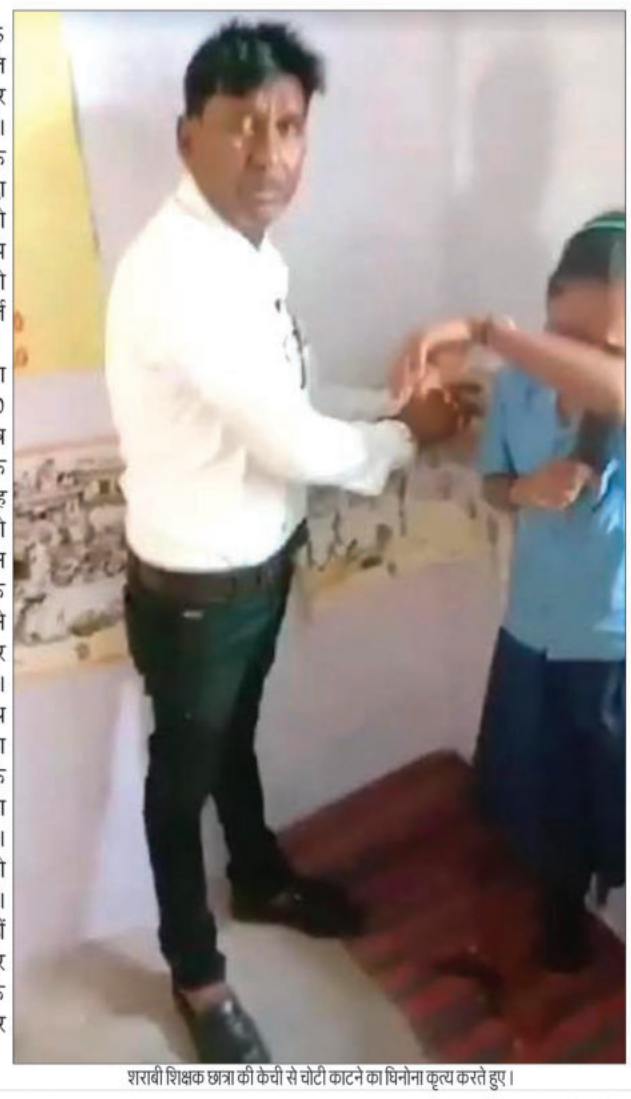

शराबी शिक्षक छात्रा की कैची से चोटी काटने का घिनोना कृत्य करते हुए।

- क्यूआर कोड़ स्केन कर देखे किस तरह से एक शिक्षक, सारी शिक्षकीय गरिमा को तार-तार कर शराब के नशे में छात्रा की काट रहा चोटी।

2022 केडर की आईएएस तनुश्री मीणा होगी नई एसडीएम

एसडीएम राठौर की हुई पदोन्नति,बने जिला पंचायत सीओ

माही की गूंज, पेटलावद। *लंबे समय के बाद पेटलावद एसडीएम में फेरबदल देखने को मिला। भारतीय प्रशासनिक सेवा केडर 2020-21 पदोन्नति के लिए लंबे समय से अटकी सूची को जारी कर दिया गया है। जिसमें 2020 केडर के आईएएस अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पेटलावद अनिल राठौड़ की पदोन्नति कर मध्य प्रदेश सरकार ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डिंडोरी के लिए भेजा है। और पेटलावद अनुभाग अधिकारी के रूप मे 2022 केडर की आईएएस अधिकारी तनुश्री मीणा प्रतिनिधित्व करेगी। वर्ष 1998 के बाद से 22 वे अनुभाग अधिकारी के रूप में अनिल राठौड़ ने 18 अक्टूबर 2022 को एसडीम पेटलावद का प्रभार संभाला था। लगभग 22 माह से भी अधिक समय में राठौर का कार्यकाल रहा।*

आईएएस के लिए रिजर्व सीट

पहले पेटलावद अनुभाग राजस्व अधिकारी के रूप में 24 अप्रैल 1998 के साथ 22 अधिकारी ने क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया जिसमें 18 राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी भी शामिल है। बात करें पहले भारतीय प्रशासनिक सेवा आईएएस अधिकारी की तो संकेत भोंडवे 27 अगस्त 2009 में आए थे जिनका कार्यकाल लगभग 1 वर्ष का रहा था। इसके बाद आईएएस अधिकारी के रूप में हर्शल पंचोली, शिशीर गेमावत व अनिल राठौड़ ने चौथे आईएएस के रुप में शासन को सेवा दि। नए नवेली 2022 केडर की आईएएस अधिकारी तनुश्री मीणा पेटलावद क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कैसे करती है ये देखना दिलचस्प रहेगा। नवागत एसडीएम तनुश्री मीणा के चार्ज को लेकर फिलहाल कोई जानकारी सामने नही आई है कि वे कब पदभार ग्रहण करेगी।

देश के कॉलेजों में ई-वेस्ट अवेयरनेस कार्यक्रम शुरू

नई दिल्ली, दिल्ली, भारत

ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन एसेट और ओपो इंडिया ने देश में इलेक्ट्रॉनिक वेस्ट जागरुकता अभियान (ई-वेस्ट) के अंतर्गत रामजस कॉलेज, दिल्ली यूनिवर्सिटी में 'जनरेशन ग्रीन' अभियान के दूसरे चरण की शुरुआत की। इसके साथ ही यह कॉलेज इस कार्यक्रम के अंतर्गत पहला 'ईको-कॉन्शियस चैंपियन इंस्टीट्यूट' बन गया है। ओपो इंडिया और एसेट ने कार्यक्रम के पहले चरण में भारत में कॉलेजों के युवाओं को इंटर्नशिप प्रदान करके उनमें हरित कौशल को बढ़ावा दिया। इन इंटर्नशिप्स के लिए 1,400 से ज्यादा संस्थानों के 9,000 से ज्यादा विद्यार्थियों ने आवेदन किया था। जिनमें से 5000 विद्यार्थियों का चयन किया गया। अब इन विद्यार्थियों को जागरुकता के सत्रों, ई-सर्वे, ग्रीन डे जश्नों के आयोजनों जैसी सस्टेनेबिलिटी की गतिविधियों में लगाया जा रहा है।

आस्था के सैलाब ने बना दिया मामाजी को भगवान

हजारों अनुयाई चढ़ाते हैं पहली फसल, दशको से चली आ रही परंपरा

माही की गूंज, पेटलावद/ बामनिया। राकेश गेहलोत

अक्सर आपने आज के समय में देखा भी और सुना भी है कि, देश के अंदर किस तरीके से जातिवाद का जहर घोलकर दलितों पर अत्याचार और छुवा-छुत जैसी कई घटनाएं आज के समय में भी देखने को मिल रही है। यह आरोप अधिकांश उन उच्च जातियों पर लगाया जाता है और सबसे ज्यादा मामले उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश जैसे बड़े प्रांतो में हो रहे हैं। लेकिन दसको पुरानी बात करे तो उत्तर प्रदेश स्टेट का एक ऐसा युवा ब्राह्मण जिसने दलित आदिवासियों के लिए लड़ते हुए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। जिसके कार्यों को राजस्थान प्रांत के आदिवासियों द्वारा इस दिवंगत ब्राह्मण युवा को भगवान मानकर आज भी पूजा जाता है।

दशको से चल रही परंपरा

स्वर्गीय मामा बालेश्वर दयाल की कर्म स्थली पर सितंबर माह से ही राजस्थान प्रांत से बड़ी संख्या में आदिवासियों का आना-जाना चालू हो गया है। यह परंपरा कई दशको से चली आ रही हैं। यहां पर आदिवासी भक्त बरसात के समय पकने वाली मक्का की फसल को सबसे पहले मामाजी को ही विधि-विधान अनुसार पूजन कर चढ़ाते हैं और मामाजी का नाम लेकर भजन-कीर्तन करते हैं। उसके बाद ही यह भक्त अपने गांव में जाकर अपने परिवार के साथ पहली फसल को ग्रहण करते हैं। राजस्थान के कई युवाओं और बुजुर्गों ने कहा कि, आज मामाजी हमारे बीच नहीं है लेकिन उनके द्वारा किए गए कार्यों और बतायें गए सिद्धांतों की बदौलत ही हम और हमारा आदिवासी समाज संपन्न है। हम पहले भी मामाजी को भगवान मानते थे और उनके देवलोक गमन के बाद भी उन्हीं को भगवान मानते हैं और हम पहली फसल यहीं पर चढ़ाते हैं।

बारिश से बिगड़े हालात, लोगों के घरों व मंदिरों में घुसा पानी

माही की गूंज, थांदला।

आफत की बारिश हो रही है, मौसम विभाग ने प्रदेश के सात जिलों में अति भारी बारिश और 21 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की थी। इसके अलावा पूरे प्रदेश में हल्की से लेकर मध्यम बारिश पिछले 48 घंटों से रुक-रुककर तेज और मध्यम बारिश हो रही है। प्रदेश के निचले इलाकों में जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। मौसम विभाग का कहना है कि, प्रदेश के पूर्वी हिस्से के आसपास कम दबाव का क्षेत्र बनता दिखाई दे रहा है।

एक नजारा यह भी

लगातार सुबह से हो रही बारिश से पद्मावती व नौगावा दोनो नदिया अपने रोद्र रूप मे बह रही है। चारो और पानी ही पानी है शांति नगर,एम जी रोड पर भी भारी जल जमाव हुआ। वही नदी के पास लगी गलियों मे जल जमाव और शांति नगर कालोनी में जल भराव इतना था की लोगों के घरों के आगे खड़ी मोटर साईकिल भी बह गई। राजापुरा का भी यही हाल रहा लोग घरों से बाहर निकल नहीं पाये। राजापुरा के नाले की निकासी के लिए मिडिया द्वारा समय-समय पर समाचार प्रकाशित किए लेकिन राजनितिक व प्रशासनिक बासिदो ने यह काम नहीं किया और भू-माफिया से मिलकर टालम टोल कर नाले की समस्या का हल नहीं होने दिया। जिसका खामियाजा आम नागरिकों को भुगतना पड़ रहा है।

शांति नगर से आने वाला पानी बावड़ी मंदिर व मंदिर के आगे वाली दुकानों व सब्जी मंडी में लगने वाली दुकान व घरों में भी पानी घुस गया। मंगलवार को सुबह 10बजे पद्मावती तट पर स्थित अमबिकेशवर महादेव मंदिर घोड़ा कुण्ड में पद्मावती का रौद्र रूप देखने को मिला। मंदिर की आरती जैसे ही सम्पन्न हुई कि करीब 150फिट दिवाल को धराशाही करते हुए पद्मावती का पानी मंदिर में प्रवेश किया। पानी मंदिर में घुसते ही मंदिर में पूजा-अर्चना कर रही महिला और पुरूषों में अफरातफरी मच गई और मंदिर परिसर से सभी को बाहर किया। मंदिर में रखा सामान, पुजा सामग्री, जल चढ़ाने के ताम पात्र जलाधारी व मंदिर परिसर में बने शौचालय व दिवाल भी पानी में बह गए। समय रहते मंदिर के श्रद्धालुओं ने तत्परता दिखाई और कोई जन हानि नहीं होने दी। मौके पर एसडीएम तरूण जैन व तहसीलदार अनिल बघेल पहुंचे और निरक्षण कर आम आदमी को मंदिर में नहीं जाने के निर्देश दिए। वही नदी देखने वालों को भी 20फिट दूर से देखने के लिए कहा।

थांदला से छोटी-धामनी होकर बैड़ावा जाने वाले मार्ग पे ग्रा. पंचा. खोखरखादंन स्थित ब्रिज,बड़ा पुल अत्यधिक वर्षा होने से क्षतिग्रस्त हो गया है। मार्ग बाधित होने से थांदला तहसील के ग्राम खोखरखादंन, मुंजाल, रूपारेल, कलदेलां, बेड़ावा आदि अनेक गांवों के किसानों का सीधा संपर्क थांदला से टूट गया है। वही करिब 4-5 घंटे तक खवासा-थांदला मार्ग भी बंद रहा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा। मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422